



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई विल्सी, शनिवार, नवम्बर 4, 1978 (कार्तिक 13, 1900)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1978 (KARTIKA 13, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्सी-110011, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं. ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—श्रव्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हाल०) को आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये 2-9-1978 से 31-11-1978 अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:—

- श्री जे० एल० कपूर।
- कु० सन्तोष होड़।

सं. ए० 32014/1/78-प्रशा०-II—श्रव्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल०), श्री एम० एल० ध्वन, को उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर 13 सितम्बर, 1978 से 30-11-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए किये नियुक्त करते हैं।

पी० सी० माथुर,
अवर सचिव,
क्रसे अध्यक्ष।

पी० सी० माथुर,
अवर सचिव,
क्रसे अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अधिवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

क्र०	नाम	अवधि
सं०		
1. श्री बी० एस० कपूर	1-8-78 से 16-9-78 तक	
2. श्री बी० आर० घर्मा	2-8-78 से 16-9-78 तक	
3. श्री पी० सी० माथुर	19-8-78 से 30-9-78 तक	

दिनांक 3 अक्टूबर 1978

सं० ए० 32013/1/78-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-6-1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-9-1978 से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्य एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

सं० ए० 19036/25/78-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री एन० एन० सिंह, निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 22-9-78 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोत्तर करते हैं।

दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० ए० 19036/78-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री ओ० पी० चट्टाल, स्थायी निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 22-9-1978 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्था-

नापन्न पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में प्रोत्तर करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० ए० 19036/10/78-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं निवेशक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस० एन० स्वैन, पुलिस उप-अधीक्षक को दिनांक 4-10-1978 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह,
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

सं० ओ० दो०-1090/78-स्थापना—राष्ट्रपति, ले० कर्नल टी० डी० सिंह की तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर 16-9-78 पूर्वाल्प से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर (ले० कर्नल) टी० डी० सिंह को बेस हास्पिटल दो, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैवराबाद में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० 4/47/74-स्थापना—श्री जी० बी० लिंगाडाली ने उनके कर्नाटक स्टेट में प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, उप पुलिस अधीक्षक, 48वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार 19 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बम्बूपोष्याम्,
सहायक निदेशक (प्रशासन),

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेस फैक्ट्रिया,
भारतीय आर्डनेस फैक्ट्रिया सेवा
कलकत्ता, दिनांक 10 जलाई 1978
सं० 2/78/स्कूल—महानिदेशक, आर्डनेस फैक्ट्रिया, निम्नलिखित शिक्षक को स्थानापन्न प्रधानाध्यापक (हाई स्कूल)

(युप 'बी' राजपत्रित) के पद पर, दिनांक 28-3-78 से, आगामी भादेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

नाम	से	को
श्री एच० एस० दुबे	प्राधानाध्यापक (एम/जे) श्रो० ई० (हाई स्कूल) सी० एफ० सी० स्कूल एक० ए० स्कूल कानपुर।	प्राधानाध्यापक (युप 'बी' राज- पत्रित)
	डी० पी० चक्रवर्ती, सहायक महानिदेशक, प्रशासन, कृते महानिदेशक, आईनेस फैक्ट्रियां	

केन्द्रीय सरकार सलाह सेवा और श्रम विज्ञान
केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

सं० 37/9/60-प्रशासन—श्री आर० एन० ठाकुर स्थायी
निरीक्षक (कलाकार और खान विशेषज्ञ) निवर्तन की आव्यु
पर पहुंचने पर इस सरकारी नौकरी से 30 सितम्बर, 1978
(अपराह्न) से निवृत्त हुए।

ए० के० चक्रवर्ती,
महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

फ्लक्टा-700016, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

सं० 20/77/19 सी-3673 एन०—निम्नलिखित अधिका-
रियों की भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में पुस्तकाध्यक्ष के
प्रेष (युप 'बी' 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 र० के बेतनमान) में प्रत्येक
के सामने वर्णार्दि लियि से पुष्टि की जा रही है:—

क० अधिकारियों का नाम	पुष्टिकरण तिथि
सं०	
1. श्री शिवदत घोष	17-2-1975
2. श्री कुलदीप राज सहगल	17-2-1975
3. श्री देवी प्रसाद नियोगी	26-9-1976

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

सं० ए 12025/48/76-(एन० एम० ई० पी०) प्रशासन-I—इस निदेशालय के दिनांक 14 अगस्त, 1978 के अधिसूचना संलग्न ए० 12025/48/76-(एन० एम० ई० पी०) प्रशासन-I में “सहायक निदेशक (ई० एन० टी०) “को” उप सहायक निदेशक (ई० एन० टी०)” पढ़े।

सं० ए 120-126/38/77 (एच० क्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के डेस्क अधिकारी श्री पी० के घई को 7 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से इसी निदेशालय में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर छः महीने की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19020/38/77-(एच० क्य०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्रीमती शोभानाथ (विवाह पूर्व कुमारी रहेजा), अनुसंधान अधिकारी (पोषण), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय का 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से सरकारी नौकरी से त्याग पत्र मंजूर कर दिया है।

श्राम लाल कुठियाना,
उप निदेशक प्रशासन (सं० व० प०),

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० ए० 19023/34/78-प्र०-III—सहायक निदेशक (पशुधन उत्पाद) के पद पर नियुक्त होने के उपराह्न श्री विजय कुमार सिन्हा ने दिनांक 26-8-78 को पूर्वाह्न में इस निदेशालय में बम्बई में विषयन अधिकारी (तर्ग-III) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिश्वार,
निदेशक, प्रशासन,
कृते कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० एच०/285/चिकित्सा/स्थापना/3890—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के एक अस्थायी स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० आरिक धुसेन का सेवा यो त्याग पत्र दिनांक 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से सीमांत कर लिया है।

सं० के० 2330/चिकित्सा/स्थापना-1/3900—निदेशक, परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने इसी केन्द्र के एक अस्थायी स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० अशोक ताराचंदाजी कांबले का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 24 मार्च, 1977 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० एल० /347/चिकित्सा/स्थापना-1/3901—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने इसी केन्द्र के एक अस्थायी स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० (श्रीमती) शोभना सुधीर लेले का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 12 जून, 1976 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० बी०/1494/चिकित्सा/स्थापना-1/3902—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के एक अस्थायी स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० श्रीकांत बालकृष्ण बावरे कि सेवा से त्याग पत्र दिनांक 26 मार्च, 1977 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० पी०/1973/चिकित्सा/स्थापना-1/3903—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के एक अस्थायी स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० (श्रीमती) पेरिनथलाकृत नारायनन प्रभावती का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 31 दिसम्बर 1976 से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वैकटमुन्नप्पम
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

दस्तावेज़-5, दिनांक 21 सितम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(226)/76-प्रशासन/13507—इस प्रभाग की तारीख 31 जूलाई, 1978 की ममसंख्यक अधिसूचना के अनुसार इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रबरण कोटि लिपिक श्री एच० एच० शाह, जिनकी नियुक्ति श्री टी० एस० असवाल, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था, के स्थान पर 17 जूलाई, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर 29 अगस्त, 1978 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से की गई थी, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार अस्थायी रूप से 31 अगस्त, 1978 तक संभाले रहे।

बी० बी० थारे,
प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशासन/4(3)/78-एस०/9462—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परि-

योजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रूल के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस परियोजना के स्थानापन्न प्रबरण कोटि लिपिक श्री एम० ए० राजन को 18 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिये रूपये 650-30-740-35-880 द० रु०-40-960 के वेतनमान में इसी परियोजना में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशासन/1(103)/78/एस०/9543—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, बंगलौर स्थित परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक कार्मिक अधिकारी श्री प्रेम प्रकाश को, जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यालय आदेश सं० 20/5(1) 75-सी० सी० एस०, दिनांक 7 अगस्त, 1978 द्वारा नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तैनात किया गया है, इस परियोजना में 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए रूपये 650-30-740-35-880 द० रु०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन

प्रशासन अधिकारी,

कृत मुख्य परियोजना अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

सं० प० ख० प्र०-2/(2751)/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक ने उसी प्रभाग के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी श्री एस० बी०, श्री मोहन्ती गिरिहर का त्यागपत्र 14 सितम्बर, 1978 को अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एस० रंगानाथ

वरिष्ठ, प्रशासन एवं लेखा अधिकारी,

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

प्रह्लदाबाद-380053, दिनांक 10 अक्टूबर 1978

सं० अ० उ० के०/स्था०/टेस्क/7/78—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री सुधीर दत्तात्रेय इरान्डे को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष

उपयोग केन्द्र में 8 सितम्बर, 1978 पूर्वाह्न से 31 अगस्त 1979 तक नियुक्त किया है।

सं ० अ० उ० के०/स्था०/टेस्क/९/७८—प्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री रत्नाकर गणपतराव गंधे को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 8 सितम्बर, 1978 पूर्वाह्न से 31 अगस्त 1979 तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर,

प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशुल्क समाहरणीय

कानपुर, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

सं ० २६/७८—श्री जे० एन० तिवारी निरीक्षक (प्रवर्णन कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्गे “ख” वेतन मान र० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो० ३५-८८०-४०-१००० द० रो० ४०-१२०० के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए, इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० से० ११-२२-स्था०-७८/४४ दिनांक ९-१-७८ के अन्तर्गत, निर्गत कार्यालय आदेश सं० १/ए०/१९७८ दिनांक ९-१-७८ अधीक्षक उत्पाद शुल्क, एम० ओ० आर० इटावा के पद का कार्यभार दिनांक २१-१-७८ (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

क० ल० रेखी,

समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक सितम्बर 1978

सं० ११-टी० आर०(८)/७८—राष्ट्रपति, श्री उदे बी० रनदिवे को, १ सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, बम्बई में तवर्ध आधार पर इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क० एस० सिधू,

नौवहन उप महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स बोर्ड के पीटल प्रोवीडेंट एण्ड जनरल इन्स्ट्रुमेंट कम्पनी के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० २२०३/५६०(५)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स बोर्ड के पीटल प्रोवीडेंट एण्ड जनरल इन्स्ट्रोरस कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं दि डक्कन पब्लीशर्स लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० २७०८/५६०(५)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि डक्कन पब्लीशर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स श्री इन्डेन्टर्स सेन्डी-केट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० ४९३८/५६०(५)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्री इन्डेन्टर्स सेन्डीकेट (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स श्री लिनरलस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० ९२०८/५६०(५)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्री लिनरलस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स इन्टरोसेन सर्वांगीस कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 9289/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स इन्टरोसेन सर्वांगीस कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स टेक्नीसन्स इन-इफेक्टीव एडवरटाइसिंग एण्ड मारकेटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 15149/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स टेक्नीसन्स इन-इफेक्टीव एडवरटाइसिंग एण्ड मारकेटिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स न्यू हेवन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 15637/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स न्यू हेवन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स ट्रीडन्ट होटल (प्रा०) लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० 16064/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-

द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स ट्रीडन्ट होटल (प्रा०) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र,

मैसर्स वी ओरियन्टल ट्रेड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० को० लिफ्टी०/3992/18166—माननीय उच्च न्यायालय के दिनांक 17-5-78 के आदेश से मैसर्स वी ओरियन्टल ट्रेड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्ति होना, आदेशित हुआ है।

पी० एम० माथुर,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वीकुटा फाईनेंस एण्ड चिटफन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 3639/18221— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वीकुटा फाईनेंस एण्ड चिटफन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

निवेद सं० ए० पी० 396/गढ़शंकर/78-79—अतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है। तथा जो गढ़शंकर
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पुर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र मंगल सिंह वासी नुरपुर बेंदी, बस
स्टैड, लाली निवास, गढ़ शंकर

(अन्तरक)

(2) बलवंत कोर पुत्री वतन सिंह पुत्र मुन्धी राम गांव
विनेवाल तहसील गढ़शंकर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लाली निवास के साथ एक मकान जैसा कि विलेख नं०
3246 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी गढ़ शंकर में सिखा
है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा।

दिनांक : 6 अक्टूबर 1978
सोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 231/78-79/ एक्यू—अतः मुझे, डी० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25/ए५ है, जो खानपुर रोड़, तिलकवाड़ी, बेलगाम, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम अंडर डाकमैट नं 2976/77-78 दिनांक 21-2-1978 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-2-78

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वक संतात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल वा पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप कोंबावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आप जो किसी भना या प्रभा आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना गढ़िए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डी० सी० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सलिनीबाई पल्ली बासुदेव पिनडासि मकान नं० 25/ए५ खानपुर रोड़, तिलकवाड़ी, बेलगाम (अन्तरक)

(2) श्री गोपाल राधावेन्द्रा बैतामंगलकर मकान नं० 25/ए५, खानपुर रोड़ तिलकवाड़ी, बेलगाम (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसन्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० सी० टी० एस० नं० 25/ए५ खानपुर रोड़, तिलकवाड़ी बेलगाम में स्थापित है।

दिनांक : 21 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 232/78-79/अर्जन-यतः मुझे, डी० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 477-बी-1/1ए है, जो वंगलूर रोड, बल्लारि में स्थित है (और इससे उगावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बल्लारी अंडर डाकूमेंट नं० 2304 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्वरण लिखित में वास्तविक रूप में निर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषय में कगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

2-316GI/78

(1) श्री एच० बालारामा रेडी पिता एच० रामाकृष्ण रेडी (2) एच० प्रलहाद रेडी पिता एच० बालारामा रेडी हालाहरवी, आलूर तहसील कर्नूल जिला (अन्तरक)

(2) श्री बी० नारायण रेडी पिता डासा रेडी हालाहरवी, आलूर तहसील (2) वि० लिंगरेडी पिता लक्ष्मी रेडी कोगिलानोटा, आलूर तहसील, (3) फसे पोरन्ना पिता फरिवसप्ता भाजीपलवाल्स, अडोनि-कर्नूल जिला (4) इडिना सरपाशा पिता निष्पद्या बल्लारी के वासि (5) दिना दानम्मा पिता डी० रुद्रप्पा बल्लारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, उक्त भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला स्थान वार्ड नं० 16 में और मुनिसीपल कारपोरेशन के एरिया के अन्दर है। एस० नं० 497-बी-1/ए और टी० एस० नं० 15-बी-3 इसके दक्षिण की ओर मीनाक्षी लांच है। एकान्त स्थान 609 स्क्वायर मीटर है।

डी० सी० राजगोपालन,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक : 29 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 233/78-79 अर्जन-प्रत: मुझे, डी० सी०
राजागोपालन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 497-बी-1/ए है, जो बंगलूर रोड़, बल्लारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लारी अंडर डाकुमेन्ट नं० 2305 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आविष्कार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री एच० नीलकंठरेड्डी पिता शंकररेड्डी हालाहरवि
पोस्ट: आलूर तहसील, कर्नूल जिला

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1)बी० नारायणरेड्डी पिता डासरेड्डी
निर्मल टाकीज पोस्ट अडोनि (2) बि० लिंगारेषी पिता
बी० लक्ष्मण रेड्डी कोगिलताटा पोस्ट आलूर तहसील
(3) कोशापोरक्षा पिता करिकसप्पा भाजीपाला
गाला अडोनि, (4) दंडिना सरबप्पा पिता निष्पद्या
बल्लारी (5) दंडिना दानम्मा पिता डी० रुद्रप्पा
बल्लारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला स्थान वार्ड नं० 16 में है और म्युनिसिपल कार्पोरेशन के परियाके यहाँ है। एस० नं० 497-बीए/ए और टी० एस० नं० 15-बी-3 इसके दक्षिण के ओर मीनाक्षी लांच है। एकान्त स्थान 609 स्वाक्षर मीटर है।

डी० सी० राजागोपालन
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 29 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 234/78-79/अर्जन—यतः मुझे, डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 497/बी-1/ए है, जो बंगलूर रोड, बल्लारी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी अंडर डाकुमेट नं० 2306 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के कायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित अवक्षियों अनुसृत:—

(1) श्री एच० केशव रेड्डी पिता एच० बलरामा रेड्डी
(2) एच० वेंकटेश्वररामेश्वरी पिता हालहारावि पोस्ट आलूर तहसील

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री बी० नारायण रेड्डी पिता बी० दासा रेड्डी हालहारवि पोस्ट, आलूर तहसील (2) बी० लिंगारेड्डी पिता लक्ष्मारेड्डी कोपीलातोटा पोस्ट आलूर तहसील,
(3) कन्नेपोरन्ना पिता करिवसप्पा भाजीपालावाला अडोडी, कर्नूल जिला (4) दंडिना पोरण्ण पिता निष्पथ्या बल्लारी (5) दंडिना दानम्मा पिता निष्पथ्या, बल्लारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तक संबंधी अवक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एप्पोडरन्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

प्रनुसारी

खुला स्थान बाड़ नं० 16 में है। म्युनिसिपल एरिया के अन्दर है। एस नं० 497-बी-1/ए और टी० एस० नं० 15-बी-3 इसके दक्षिण के ओर मीनाक्षी लांच है। एकान्त स्थान 609 स्कूकवायर मीटर्स है।

डी० सी० राजागोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक : 29 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

को धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 235/78-79/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सधारन प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी रां० 497-बी-1/ए है, जो बंगलूरु रोड, बल्लारी में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी अंडर डाकुमेंट सं० 2301 जै भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तात्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे तर्फमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इन्हें यहाँ किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी घन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिर था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः भृत, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) एच० अनेनश्वाना रेडी, (2) एच० कमलम्मा
(3) एच० येकम्मा सबके पिता स्वर्गवासी एच० लिंगम्भा हालहरवि पोस्ट, आलूर तहसील कर्नूल जिला
(अन्तरक)

(2) श्री बी० नारायण रेडी पिता बी० दासा रेडी हालहरवि पोस्ट आलूर तहसील (2) बी० लिंगरेडी पिता लक्ष्मारेडी कोणीलतोटा पोस्ट आलूर तहसील (3) कब्बेपोरवा पितला करिवसप्पा भाजीपालावाला अडीनी कर्नूल जिला (4) दंडिना पोरण पिता तिप्पय्या बल्लारी (5) दंडिना दानम्मा पिता निप्पय्या बल्लारी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर उक्त सम्पत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला स्थान वार्ड नं० 16 में है। म्युनिसिपल एरिया में है। एस० नं० 497-बी-1/ए और टी० एस० न 15-बी-3 इससे दक्षिण की ओर मीनाक्षी लांच है। एकल स्थान 609 स्थावर मीटर है।

डी० सी० राजागोपालन,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक : 29 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश नं. 236/78-79/प्रर्जन— यतः, मुझे डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 497-बी-1/ए है, जो बगलूर रोड, बल्लारी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी ग्राम डाकुमेंट नं० 2308 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्य पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना साहित्य था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एच० संदर्भमा (2) माइनार एच० राजागोपाला रेडी, लक्ष्मीकौत रेडी, श्री निवास रेडी और मुसीलम्मा उनके माता जी श्रीमति एच० संजीवम्मा के देखभाल (3) श्रीमति एच० संजीवम्मा स्वर्गवासी पति निम्मा रेडी (4) एच० रामदासा रेडी पिता एच० रामारेडी हालाहरवि पोस्ट, आलूर तहसील कर्नूलन जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० नारायणरेडी पिता बी० दासा रेडी हालाहरवि पोस्ट आलूर तहसील (2) बी० लिंगा रेडी पिता लक्ष्मण रेडी कोगिलतोटा पोस्ट आलूर तहसील (3) कन्ने पोरन्ना पिता कर्सिबसप्पा भाजी पाला वाला अडोनि (4) दंडिना सरबन्ना पिता निष्पन्ना बल्लारी (5) श्रीमती डी० दानम्मा पिता तिष्पन्ना बल्लारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला स्थान वार्ड नं० 16 में है। म्युनिसिपल एरिया के अन्दर है। एस० नं० 497-बी-1/ए और टी० एस० नं० 15-बी-3 इसके दक्षिण की ओर मीनाक्षी लांज है। एकल स्थान है 609 स्थायर मीटर्स।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज धारवाड़

दिनांक 29 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारावाड़

धारावाड़, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 237/78-79/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०
राजांगोपालन

पारहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के प्रधीन सक्षम शासिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिस की सं० 497/बी-1/ए है, जो बंगलूर रोड, बल्लारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी अड्डेर डाकुमेंट नं० 2309 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 3-2-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाय प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से नपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधीनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ऋतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत्:—

(1) श्री एच० रामाकृष्णरेड्डी पिता एच० शंकररेड्डी
(2) श्रीमति एच० लक्ष्ममा पति एच० संकरा रेड्डी
हालहरवि पोस्ट आलूर तहसील कर्नूल जिला
(अन्तरक)

(2) श्री बी० नारायणरेड्डी पिता बी० डासारेड्डी
हालहरवि पोस्ट आलूर तहसील (2) बी०
लिंगरेड्डी पिता लक्ष्मण रेड्डी को गिलतोटा पोस्ट
आलूर तहसील (3) कम्पे पोरम्बा पिता करिवसप्पा
भाजी पालाबाला ग्रामी (5) दंडिना सरबक्षा
पिता निष्पत्ता बल्लारि (5) श्रीमती डी०
दानम्मा पिता तिष्पत्ता बल्लारी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्मणी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला स्थान नं० 16 में है। म्युनिसिपल एरिया के पन्दर है। इस नं० 497-बी-1/ए और टी० एस नं० 15-बी-3 इसके वक्षिण के ओर मीनाक्षी लांज है। एकत्र स्थान है 609 स्कूलायर मीटर्स

डी० सी० राजांगोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारावाड़

दिनांक 29 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश संख्या 238/78-79/अर्जन—यतः, मुझे डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 497-बी-1/ए है, जो बंगलूर रोड, बल्लारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लारी अड्डे डाकुमेंट नं० 3210 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

(1) श्री एच० सिवारेड्डी पिता एच० लक्ष्मी रेड्डी (2) एच० हनुमता रेड्डी पिता लक्ष्मी रेड्डी (3) श्रीमती एच० बसम्मा पति एच० लक्ष्मी रेड्डी हालहरवी, आलूर, तहसील कर्नूल जिला आंध्र प्रदेश (आन्तरक)

(2) श्री बी० नारायण रेड्डी पिता बी० दासरेड्डी, हालहरवी आलूर जिला (2) बी० लिंगारेड्डी पिता लक्ष्मा रेड्डी कोगिलोटा आलूर तहसील (3) कन्ने-पीरन्ना पिता करिबसपा अडोवी कर्नूर जिला (4) दंडिना सरबन्ना पिता तिप्प्या बल्लारी के वासी श्रीमती दंडिना डानम्मा पिता दंडिना स्ट्रप्पा बल्लारी के वासी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला स्थान वार्ड नं० 16 में और म्युनिसिपल कार्पोरेशन के एरिया के अन्दर बसा है । एस नं० 497-बी-1/ए दी० एस० नं० 15-बी-3 इसके वक्षण की ओर मीनाथी लांज है । एकल स्थान 609 स्कावायर मीटर्स है ।

डी० सी० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

दिनांक 29 सितम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० चन्द्र सेकरन

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सिवकक्न्

(अन्तरिती)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महापाल आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मप्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निदेश मं० 8124— यतः, मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-घ के अधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 12, तेल्पुर व बीलचट्टम रोड है, जो तिरुच्ची में स्थित है (और इससे उपावद्ध और पुणी रूप से बण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० तिरुच्ची (डाक्यूमेंट सं० 587/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 78

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल के ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राप्ति आदितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, आर्द्धतः—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरतात्त्वी के पास निर्वाचन किए जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, 12 तेल्पुर बीलचट्टम रोड तिरुच्ची डाक्यूमेंट सं० 587/78 (जे एस आर I, तिरुच्ची)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

दिनांक : 7 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

(1) श्री आर० एम० के० आरएम कुमारपा चेट्टीयार
(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती ए० एल० मीनाक्षी

269 घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

निवेश सं० 8123— यतः, मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूरती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० है, जो पूद्मनै III स्ट्रीट, रायवरम पंचांचल में स्थित है (और इससे उत्तर और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्री० तिरुमयम (डाक्यूमेंट सं० 5/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रगति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, पूद्मनै III स्ट्रीट, रायवरम, पूद्मकोट्टी डिस्ट्रीक्ट (डाक्यूमेंट सं० 5/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूरती,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निरेश सं० 8111—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 53, 54 और 55, निति कुडियान स्ट्रीट, मेल
कावेरी है, जश कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपावढ
में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० ओ० कुम्बकोनम डाक्यूमेंट सं० 129/78 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-2-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्:—

(1) श्री एम० ए० मोहम्मद सिराजूद्दीन

(अन्तरक)

(2) श्री ए० अब्दुल हमीद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, डोर सं० 53, 54, 55 निति कुडियान
स्ट्रीट, मेल कावेरी, कुम्बकोनम।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 7 अक्टूबर 1978
मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

निदेश सं 4602—यतः, मुझे, टी० वी० जी० छुण्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी नं० टी० एस० 11/497 है, जो संगनूर गांव, कोयम्बटूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० कोयम्बटूर (डाक्यूमेंट सं० 200/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-2-78 को पूर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पति :—

(1) श्रीमती सी० एस० राजलक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सारदा देवी और एक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर टी० एस० सं० 11/497, संगनूर गांव, कोयम्बटूर तालुक डाक्यूमेंट सं० 200/78

टी० वी० जी० छुण्णमूर्ती,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269वा (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज II मद्रास
 मद्रास-दिनांक 6 अक्टूबर 1978

निवेश सं० 4602—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 11/497 है, जो संगनूर विलेज, कोयम्बटूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० कोयम्बटूर डाक० सं० 204/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 167 के अधीन दिनांक 13-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सी० एस० राजलक्ष्मी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० परीमलम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस गुच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधन्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, टी० एस० सं० 11/497, संगनूर गाँव कोयम्बटूर तालुक में। (डाक्यूमेंट सं० 204/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 6 अक्टूबर 1978
 मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती दोरती वार्टन रैट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एम० विस्वनादन

(अन्तरिती)

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 4621—यतः मुझे, टी० वी० जी० कुण्ठमूर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 3063/1ए१ है, जो उत्कमेंट ट्वून में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पुरुष रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० एस० उत्कमेंट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-2-78

की पूर्वोक्त समस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुरै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के असरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, ग्रन्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिचालित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि 4 एकड़, आर० एस० सं० 3063/1ए१, उत्कमेंट ट्वून में।

टी० वी० जी० कुण्ठमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

दिनांक : 7 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6080/78-79—यतः मुझे, टी० वी० जी०

कृष्णमूर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24, जेनरल पेट्ररस रोड है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ट्रिपुलिन, मद्रास डाकूमेंट सं० 133/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 13-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभृतरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर रेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

(1) श्री जे० ठिं ईटीलिया और फरिठ० जे० ईटालिया
फॉर लेड ठिनपा ठाठावाय इटालिया
(अन्तरक)

(2) श्री आर० सरथनारायना
(अन्तरिती)

(3) 7/3 गाले एण्ड को, जेदी मोटार और रिलयमिल मोटार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह पूरा तारो हरें पूर्वोक्त सम्पत्ति न प्रदान हो तिए नार्याहिंगां शुल्क रखता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति-24, जेनरल पेट्ररस रोड मद्रास-2

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 11 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलृप प्राई० टी० एम० एस० ——

(1) श्री जे० डी० ईडालिया और फरिठ ईडालिया फार
लेड ठिनषा ठाठाबाय ईडालिया (अन्तरक)

आयकर व्यवस्था, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ॥, मद्रास

मद्रस, दिनांक 11 अक्टूबर 1978

ਨਿਦੇਸ਼ ਸਂ. 6080/78-79—ਧਤਾ, ਮੁਕ੍ਤੇ, ਟੀ.ਓ. ਬੀ.ਓ. ਜੀ.ਓ.
ਕ੃ਣਮੂਰ੍ਤੀ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वाँ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 24, जेनरल पेट्रोरेस रोड, है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रॉफिकेन मद्रास (डाक० सं० 134/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(८) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, पै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(2) सड़ानड़रठा रालकठरिक कम्पेनी
(अन्तरिती)

(3) रेडियो सर्विस और थिस्टरन ब्रिन्टरस
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूत्रां जारी करके पुर्वोक्त सम्पन्नि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्तिवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्ती

24, जेनरल पेट्रस रोड मद्रास-2
(डाकमेंट सं० 134/78)

डी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 11 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलेप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेज II, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6080/78-79 यतः, मुझे डी० वी० जी०
कुण्डमूर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिस की सं० 32 और 33, जैनरल पेट्रस रोड है, जो मद्रास
में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पुर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्रास डाक्यूमेंट
सं० 135/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 13-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ. अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपस्थारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत्:—

(1) श्री जेमशिंठ ईटालिया

(अन्तरक)

(2) श्री के० स० पूच्ची नाठार फार मानिकम कम्पनी
(अन्तरिती)(3) स्टॉटरठू फरनि चर खम्पेनी और प्रसिठनसि मोडारस
33, 32, जैनरल पेट्रस रोड, मद्रास
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ऐसी
विस्तीर्णी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त व्यक्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति—32 और 33, जैनरल पेट्रस रोड, मद्रास-2
(डाक्यूमेंट सं० 135/78)

टी० वी० जी० कुण्डमूर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

दिनांक: 11 अक्टूबर 1978
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०----

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6080/78-79—यतः, मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 24, जनरल पेट्ररस रोड़ है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पलिकेन, मद्रास डाकूमेंट सं० 136/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातुः—

4—316GT/78

(1) स० टी० इटालिया और फरिन ज० इटालिया फार लेड ठिन्हा ठाठाबाय इटालिया (अन्तरक)

(2) मानिक्कम कम्पनी (अन्तरिती)

(3) टाकी टाय, नार्दन बरस आनन्द मोटर और सिस्टरन एजेंसीस (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट ये समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति—24, जनरल पेट्ररस, मद्रास-2 डाकूमेंट सं० 136/78

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 11 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०-----

(1) श्री जे० रामचन्द्रम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री वी० श्री० जारज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6048/78-79—यस०, मुझे, टी० वी० जी० जूल्यमूर्ती,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 96वी०, अम्मा सालै, वक्षीय तेनामपेटै है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत डाकूमेंट सं० 520/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 9-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखूच्ची

भूमि श्रीर घर—96 वी०, अम्मा सालै, वक्षीय तेनामपेटै, मद्रास

टी० वी० जी० जूल्यमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

दिनांक : 11 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्र० प्र० आई० डी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रानकरी महालिनगम

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निवेश सं० 6056/78-79—यतः, मुझे, डी० वी० जी०
कुण्डमूर्तीआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,और जिस की सं० डी० स० सं० 117, ब्लाक III है, जो वेनकाडा
पुरम ग्राम मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेटै
मद्रास डाकुमेंट सं० 157/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
आविष्ट या, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रत, प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा, (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्यात :—

(2) श्रीमती लक्ष्मीरानकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

धोनठस और 1880 स्केयर फीट भूमि-डी० स० नं०-
117, ब्लाक-III, वेनकाडा पुरम ग्राम, सैदापेटै, मद्रास (डाकमेंट
सं०-157/78) ।टी० वी० जी कुण्डमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास,

तारीख : 11-10-1978.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मती

स० ललिता

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6075/78-79 यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

एवं से अधिक है

और जिसकी सं० 20F, मौबरेस रोड है, जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास डाकूमेंट सं० 213/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 20F, मौबरेस रोड, मद्रास-18

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 12 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती शनकरी महालिंगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती लक्ष्मी शनकर

269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्की)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निकेतन सं० 6224/78-79—यतः, मुझे, टी० बी० जी० जी० कृष्णमूर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 30, सेनरल एवेन्यू श्रीनगर उपनिवेश, है, जो वेनकडापुरम, मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, सैडपेट मद्रास डाकूमेंट नं० 157/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शनकरी महालिंगम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी शनकर

(अन्तर्की)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हृष्टोकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर, नम्बर 30, सेनरल एवेन्यू श्रीनगर उपनिवेश वेनकडापुरम, मद्रास-15
(डाकूमेंट सं० 157/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक 12 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6070/78-79—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 2/96, बिंग स्ट्रीट, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ डाकूमेंट सं० 741/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति :—

(1) श्री म० स० सुन्दरम और तीन

(अन्तरक

(2) श्रीमती महालखण्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के लिए कार्बवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रब्लेम :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर — 2/96, बिंग स्ट्रीट, मद्रास-5 ।
(डाकूमेंट सं० 741/78)टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 11-10-76

मोहर :

प्रक्षेप मार्गी ० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० मादवन नायर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6086/78-79—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 2, शाफी मोहम्मद रोड, रट्टेंड गेट III स्ट्रीट, मद्रास-6 है, जो में स्थित है (और, इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर डाक्यूमेंट सं० 166/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 2, शाफी मोहम्मद रोड, रट्टेंड गेट III स्ट्रीट, मद्रास-6 (डाक्यूमेंट सं० 166/78)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

दिनांक: 12 अक्टूबर 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एस० शन्मूलगम

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6053/78-79—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कुण्डमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1, रत्ना नगर, तेनाम्पेट है, जो मद्रास -18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी हिसी प्राय या हिसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर, 1, रत्नानगर, तेनाम्पेट, मद्रास-18
(डाक्यूमेंट सं० 167/78)टी० बी० जी० कुण्डमूर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

प्रतः इब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के ग्रन्तरण में, यैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की उपग्रामा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

दिनांक : 12 अक्टूबर 1978
मोहर :

प्रकृति आई० टी० एन० एस०—
आयकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6071/78-79—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

आयकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त व्याधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19/5, श्रीनिवासा अवेन्यू रोड है, जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्यूमेंट सं० 192/78 में रजिस्ट्रीकरण व्याधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरेत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लद्दूर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त व्याधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर व्याधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्याधिनियम या आयकर व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त व्याधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त व्याधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः :—
5-316GT/78

(1) कुमारी सवीता दास

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सीविगूरुवादन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्याधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 19/5, श्रीनिवासा अवेन्यू रोड, मद्रास-28 (डाक्यूमेंट सं०-192/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-10-1978.

मोहरः

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एल० वेंकटरमसीम्हन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6226/78-79—यतः मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० एस० 31, अवैन्यू सं० 1, सास्टी नगर, है, जो मद्रास 20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिशतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, विम्बलिखित अविक्षयों, अर्बात् ।—

(1) श्री एल० वेंकटरमसीम्हन
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णस्वामी आसोसीयेट्स (पी०) लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधिपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 5 31, अवैन्यू सं० एक, सास्टी-नगर, मद्रास-20, (डाकूमेंट सं०-182/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-10-1978.

मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०—

(1) डॉक्टर पी० अलेक्सांडर,

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6085/78-79—यतः मुझे टी० वी० जी० छुण्णमूर्ति,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 10, नूगम्बाकम है रोड, है जो मद्रास-34, में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर जाकू-मैट सं०-159/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्ताव लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्ताव से हुई किसी धारा की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या वस्त्र आस्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये।

(2) श्रीमती गीता राजकुमार मेनन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 1-जी०, नूगम्बाकम है रोड, मद्रास-34 (डाकू० सं० 159/78)।

टी० वी० जी० छुण्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 12-10-1978 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर:

अर्जन रेंज II मद्रास

उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अष्टातः—

प्रकाश आई० टी० एम० एस० ——

(1) श्री कृष्ण बट ।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० वेंगिरी और सरोजा । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन II मद्रास

मद्रास विनांक 12 अक्टूबर 1978

निवेद नं० 6058/78-79—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी नं० 17, बैंकटेसन स्ट्रीट, है जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक नं० 86/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रर्थत्:—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की आवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की आवधि, जो भी आवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 17, बैंकटेसन स्ट्रीट, मद्रास-17, (डाक नं० 86/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 12-10-1978

मोहर :

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निदेश सं० 6082/7879—अतः मुझे, टी० एन० जि०
 कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
 से अधिक है

और जिसकी सं० बोग रोड है जो मद्रास 17 में स्थित है,
 (और इससे उपावड़ ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर डाक्यूमेंट
 सं० 141/78 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फत के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :-

(1) श्री शम्भूदीन खरीदार्य, ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० ए० जमाल मोहमद और चार ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
 किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
 किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के प्रायाय 20-क में यथा परिभाषित
 हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रायाय में दिया
 गया है ।

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

ग्रन्तसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भूमि और घर, 1, बोग रोड, मद्रास 17, (डाक्यूमेंट
 सं० -141/78) ।

टी० एन० ए० कृष्णमूर्ती,
 सभी प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज II, मद्रास

अतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
 अधीन लिखित अविक्षियों, प्रतिति :—

तारीख : 12-10-1978.

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

निवेश सं० 8195—यतः मुझे टी० बी० जी० कृष्ण-
मूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
स्पें से अधिक है

और जिसकी सं० 150, 150-ए०, से 160 है जो सेखालै
रोड, कारेकुडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, कारेकुडी डाकूमेंट सं० 74/92/78 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सिवागनि पेताची,

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रत्नम्माल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टदीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और धर, 150, 150-ए०, टू, 160, सेखालै
रोड, कारेकुडी ।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 13-10-1978.

मोहर :

प्रलूप ग्राई० टी० एन० एस०--

(1) श्री राम० एण्ड मोहम्मद युसुफ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-प (1) के ग्रधीन सूचना

(2) श्री राम सामूवेल,

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II मद्रास

मद्रास दिनांक 17 अक्टूबर 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

निदेश सं० 4599/78-79--यतः मुझ, टी० वी० जी० कुण्ठमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० एस० नं० 643 और 645 में नोन अस अपलेनडस है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्नूर डाकमेंट सं० 126/78, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण आर० स० सं०-643 और 645 में नोन अस अपलेनडस।

टी० वी० जी० कुण्ठमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, II मद्रास

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :--

तारीख : 17-10-1978.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० पी० आर०-609/ए० ए० क्य०-23-1074/
19-7/78-79—अतः सुझे एस० सी० परीक्षा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-व के मध्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं०-44/2 है। तथा जो गांव मजूरा ना० खोराती, जिला सूरत में स्थित है (पौर इससे उपायद अनुसूची और और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारी पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और (अस्तरिती) (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरित के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित विविध में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी व्यवन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनावधि अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था हिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः पृष्ठ, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणितः—

(1) श्री महेन्द्र कुमार बलवंत राय देसाई, सग्रामपुरा मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीत लाल ठाकुर दास धावीवाला उप प्रमुख : आनंद मंगल को० आ० हाउ० सोसायटी, सलाबनपुरा, तलवाली शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंन के संवंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० न०-44/2, गांव मजूरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 9492 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सूरत के फरवरी, 1978 के रजिस्ट्री-क्रत विलेख नं० 883 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीक्षा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद,

तारीखः 1-9-1978.

मोहरः

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 अगस्त 1978

सं० ए० सी० क्य०-23-I-1577 (712)/1-1/77-78—
अतः मुझे एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी सु० 90-2-सब प्लाट नं० 4ए- तथा 4-बी०,
है। तथा जो घाट लोडिया, जिसा : अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6-316GI/78

(1) श्री बाबाजी धाराजी ठाकोर, स्वयं तथा एच०
य० एफ० के कर्ता तथा समीर कनहैयालाल के
बाली की हैसियत में, गांव : घाट लोडिया,
जिला : अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भुवंगदेव को० श्रो० ए० सो० लि०, मारफत :
श्री ग्रहण कुमार शांतिलाल सार, 4, एरिसीध्या
कृपा, सोसायटी नारणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 90-2 सब प्लाट नं० 4-
ए० तथा 4-बी० गांव घाट लोडिया जिला अहमदाबाद,
में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 4292+4292-
8584 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अहमदा-
बाद द्वारा फरवरी, 1978 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1406/1408/78 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , अहमदाबाद,

तारीख : 1-9-1978.

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज, अहमदाबाद

सं० ए० सी० क्य००-३२-१(715)/1776/1-1/78-

79— अतः मुझे एस० पी० परीब०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 184/185 पैकी हीस्सा सही प्लाट नं०
34, का० फ्लोर 558 अं० टी० बी० पी० एस०-21 है। तथा जो
पालण्डी अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1978 (1908 का
16) के अधीन 2 फरवरी, 1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
भुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपबारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री सरलाबेन एर्थवयन माकीम, 17, श्यामकुंज,
सोसायटी, अलीसब्रीज, अहमदाबाद-6।
(अन्तरक)

(2) श्री कामेश्वर कुंज को० श्रो० रा० श्रो० लि०,
मारकत, चैयरमेन, श्री चतुरश्राई अंबाराम पटेल
तथा अन्य 3-54 सुंदरनगर, नारणपुरा, अहमदा-
बाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रधायाय 20-का में
परिभासित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रधायाय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग जिसका क्षेत्रफल
377 वर्ग मीटर है जिसका नंबर 184/185 पैकी हीस्सा
सभ-प्लाट नं० 34 पैकी कायनाल प्लाट नं० 558-ए० ए०
श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा किये रजिस्ट्री-
कृत लेख नं० 1244 ता० 2-2-1978 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीब०,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-ज, अहमदाबाद

तारीख: 6-9-1978.
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1579(708)/1-1/
77-78—अतः मुझे एस० सी० परीबआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 22 (जूना) है तथा जो वेजलपुर
(न्या नं० 23) छिं० अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और भ्रस्तरक (भ्रस्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्ननिवित
उद्देश्यों से उक्त भ्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) प्रेसों किसी आय वा निता वर्त या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिवित अवित्तियों अर्थात् :—1. श्री खोजाजी शिवाजी, वेजलपुर, गांव, डि० अहमदाबाद
(अन्तरक)(2) श्री पी० एण्ड टी० सिविल इंजीनियरिंग विंग :
स्टाफ को० औ० हा० सो० लि० की ओर से :—
प्रमुख : श्री सयद अब्दुलहुसैन रहीम काहगीबाड़,
कोचररव, अहमदाबाद।
सेकटरी रोहित कुमार विठ्ठलदास शाह,
कालूपुर, जमपारा की पोल, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममत्व में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीची अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्द
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्णित हैं
वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

एक खुली जमीन वाला घाट जिसका सर्वे नं० 22,
(जूना) है तथा जो वेजलपुर (न्या नं० 23) डि०
अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूरण वरण नं० 9-2-
78 आले बिक्री दस्तावेज नं० 1460 में दिया गया है।एस० सी० परीब
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-78

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री धर्मी अबा हसन, जूनागढ़।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1630 (709)/

11-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

जिसकी सं० खुली जमीन वाला प्लाट जो कि छोटे मकान के साथ है तथा जो शाहपुर दरवाजा के बाहर, जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावझ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रधान—

(2) मैसर्स जुवानशी प्रतापशी, की ओर से भागीदार (i) श्रीमती जयंतकुम्वरद्वा जुवानशी (ii) श्री नंदलाल खुशालचंद दफतरी, (iii) श्री अम्मर भाई नथूभाई, (iv) श्री जीकरभाई उम्मर भाई, (v) श्री अतूलकुमार चिमनलाल संघी, मारफलत श्री सी० एन० दफतरी (एड्वोकेट) छाया बाजार, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जो एक आऊट हाऊस के साथ है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 14062 वर्ग भीटर है तथा जो पोलीस परेड ग्राउंड के पास, (जलाराम सोसायटी पास) के शाहपुर दरवाजा के बाहर जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 27-2-78 वाले विक्री दस्तावेज नं० 185 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-78

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 612/ए०सी० क्य०-23-1125/
3-2/78-79—अतः मुझ एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी० सं० शीट नं० 51 सी० एम० नं०
10936 से 10947 और क्य० नं० 1/1890 और 1/1890/1
से 1/1890/6 है तथा जो रेलवे स्टेशन के पश्चिम में
'कमरबाग' पालनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
धीरे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ब्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वर्णितियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती फातमा भाई० मोहमद अली नजर अली
की पुत्री सिध्धपुर, तहः सिध्धपुर, जिला मेहसाना।
(अन्तरक)

2. (1) श्री गोदरीभाई उजाभाई पटेल
- (2) श्री हरीभाई रायचन्द भाई पटेल
- (3) श्री देवा भाई नाथा भाई पटेल
- (4) श्री मोती भाई नाथाभाई पटेल
- (5) श्री मोती भाई परागभाई पटेल
- (6) श्री वीराभाई परागभाई पटेल गढ़ तहः
पालनपुर, जिला बनासकड़ा
- (7) श्री पूरीबेन शंकरभाई पटेल, कुंकाशन, तहः
पालनपुर
- (8) श्री दंवाभाई लखभाई पटेल, सलामपुरा तहः
पालनपुर।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री गनपतलाल शंकरलाल निवेदी
- (2) श्री गनपतलाल शंकरलाल निवेदी
- (3) मेनेजर, गवर्नरमेंट गोडाउन
- (4) श्री हरीभाई मनीभाई पटेल
- (5) श्री सुकुमार (टर्नर)
- (6) श्री हरीभाई मनीभाई पटेल
- (7) मंगलदास जीवनदास जोशी
- (8) श्री ए० टी० बचानी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्राप्त व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही धर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आडट हाउसीज सहित बंगला जो 'कमरबाग', नाम से
प्रख्यात है जिसका कुल माप 28176 वर्ग फुट है तथा जो
सिटी सं० नं० 51 सिटी सं० नं० 10936 से 10947
तथा क्य० नं० 1/1890, 1/1890/1 से 1/1890/6
रेलवे स्टेशन की पश्चमी दिशा, पालनपुर में स्थित है जैसा
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पालनपुर द्वारा 28-2-1978 को
दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 395 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 13 सितम्बर 1978

निर्देश सं० पी० आर० 619/ए० सी० य० 23-
1068/19-8/78-79—अतः मुझे एस० सी० परीखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सं० नं० 44/2 कुल माप 12345 वर्ग गज
है तथा जो गांव मजूरा, ता० चोरासी, जिला, सूरत में स्थित
हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी

1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः इब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
निम्नलिखित अधिकारी, के अधीन अर्थात् :—1. श्री महेन्द्र कुमार बलबंतराय देसाई तथा अन्य सप्रापुरा,
मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार चिमनलाल चीफ प्रोमोटर :
सुमंगल प्रभान को आ० हा० सोसायटी लि०
(सूचित) सलाबतपुरा, हालाभाई स्ट्रीट, सूरत।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 44/2, गांव मजूरा, ता०
चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 12345
वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा
फरवरी 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 881 में प्रदर्शित
है।एस० सी० परीख
संक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1978

मोहर :

प्ररूप मार्फ़ी० दो० एन० एस०—

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए०सी०प्य० 23-I/1792(716)/16-6/
78-79—अतः मुझे एम० सी० परीख

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४-
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० 601- 'सोमनाथ कृपा' नामक मकान है
तथा जो कुम्हार वाड़ा, पुराने पावर हाउस के पीछे, बेरावल,
जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बेरावल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (का 16)
के प्रधीन फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरदों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-
नियम के प्रधीन फरदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या
घनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269४ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269४ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) डा० शिव प्रसाद ग्रम्बासांकर दुबे सी०-12,
कल्पनस एपार्टमेंट नारणपुरा अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

(2) भगवानजी बेचरभाई गाडा तथा अन्य बोराक्लेट
बेरावल जि० जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के ग्राह्याय 20-क में परि-
भासित है वही अर्थ होगा, जो उस ग्राह्याय
में दिया गया है।

मनुष्याची

जमीन तथा मकान जो श्री 'सोमनाथकृपा' नामसे विद्याल
है और जो पुराना कुमारवाड़ा, पुराने पावर हाउस के पीछे

स्थित है। जिसका नं० 601 है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बेरावल जिला, जूनागढ़ के सामने किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 294/1-2-1978 में पूर्ण वर्णन है।

एस०सी०परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 14-9-1978

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-3-1635(7207)/
10-1/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है फि इसावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए रो अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 1-जी-4 (पार्ट) लै० आळट नं०
4, प्लाट नं० 2 बी०, 3 तथा 4 है तथा जो जामपुरी एस्टेट,
बेढ़ी बंदर रोड, वार्ड नं० 10, जामनगर में स्थित हैं (श्री
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-2-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अंबा विजय प्राइवेट लिमिटेड सेक्स लोज,
जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स केतन श्रोटर्मन्ट को० आ० ए० आ० स००
लि० मरेन्ड भगवानजी बाबीचा के सामने रतनबाई
मस्जीद जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली अमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 42,000
वर्ग फुट है तथा जिसका नं० सर्वे नं० 1-जी०-4(पार्ट) प्लाट
नं० 4, प्लाट नं० 2-बी०, 3 तथा 4 वार्ड नं० 10 है और
जो जामपुरी एस्टेट, बेढ़ी बंदर रोड, जामनगर में स्थित है।
जिसका पूर्ण विवरण ता० 23-2-1978 बाले बिक्री दस्तावेज
नं० 561 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख: 20-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-२३ I-1635(721)
10-१/७७-७८—अतः मुझे, एस० सी० परीख.आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 1-जी०-४, पैकी प्लाट नं० 4, प्लाट
नं० 29 से 34 तथा 37 से 42 है तथा जो बेडी बंदर रोड,
जामनगर में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 23-२-१९७८को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों
को, जिन्हें सार्तीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के
प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की
उपाधारा (1) के प्रवृत्ति, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) मैसर्स थम्बा विजया प्राईवेट लिमिटेड, सेक्सेस
लोज, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री केतन एपार्टमेंट को० ओ० रा० सो० लि०
मरेन्ट भगवानजी वारीया मारफत रत्नबाई मस्जीद
के सामने जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
ग्रन्थि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक छुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 50400
वर्ग फुट है तथा जिसका नं० सर्वे नं० 1-जी०-१४, प्लाट नं०
7, प्लाट नं० 29 से 34 तथा 37 से 42 तथा जो प्रताप
विलास पेलेस के पास, जामनगर में स्थित है और जिसका पूर्ण
विवरण तां० 23-२-१९७८ को किये गये बिक्री दस्तावेज नं०
558 में दिया गया है।एस० सी० परीख
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख: 20-९-१९७८

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईट टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सी० वय० 23-1635 (722)/10-1/

77-78—अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 1-G-4, प्लाट नं० 8, प्लाट नं० 1 से 8 तथा 15 से 20 तक है तथा जो प्रताप विलास महल के पास, जामनगर में स्थित है (और इसे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अधर्ता :—

(1) मैसर्स ऊषा विजय प्राइवेट लिमिटेड समेक्स लोज, जामनगर।
(अंतररक)

(2) मैसर्स आराधना को० ओ० रा० सो० लि० मरेन्द्र भगवानजी वारीया के मारफत रतनबाई मस्जीद के सामने जामनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तरी

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 51607 वर्ग फुट है तथा जिसका नं० सर्वे नं० 1-G-4 पैकी प्लान नं० 8 प्लाट नं० 1 से 8 तथा 15 से 20 और जो बेडी बंदर रोड, जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण ता० 23-2-1978 वाले विक्री दस्तावेज नं० 559 में दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कार्यालय अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1793 (723)/166/
77-78—अतः मुझे ए० सी० परीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जागनाथ शेरी नं० 22/28, है तथा जो
जागनाथ शेटी नं० 22/28, जागनाथ प्लाट, राजकोट में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलेय, राजकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती भानुमती एच० दोशी, दोशी जनरल
स्टोर्स के सामने सरवार नगर, मेरीन रोड, राजकोट
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला गौरी गोरीशंकर तथा अन्य 22/28
जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 183.3 वर्ग गज है, तथा
जिसका नं० 22/28 जागनाथ शेटी जोकि जागनाथ प्लाट
राजकोट में स्थित है और जिसका पुर्ण विवरण ता० 16-2-
1978 को किये गये विश्री दस्तावेज नं० 604 में दिया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 21-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी-एन-एस—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं. ए० सी० क्य० 23-3-1794(726)/10-1/

77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास द्वारा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 1-G-4- पैकी प्लाट नं. 2 प्लाट नं. 31 है तथा जो बेडी बंदर रोड जामनगर में स्थित है, (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1978

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की मात्रत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) मैसर्स अम्बा विजय प्राइवेट लिमिटेड ससेक्स लोज, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोदराय लालजी जोधी रणजीत नगर के पास रुड़ाकन, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

एटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 13758 वर्ग फुट है तथा जिसका नं. सर्वे नं. 1 जी०-4, प्लाट नं. 2, पक्की प्लाट नं. 31 है तथा जो बेडी बंदर रोड, जामनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण ता० 23-2-78 को किये गये विक्री दस्तावेज नं. 556 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-9-1978

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-०-१६३५(७२५)/
१०-१/७७-७८—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीर सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० 1-19-4, पैकी प्लान नं० 2 प्लाट नं० 8-18-19 है तथा जो बेडी बंदर रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्पर गत त्रितीय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अवतः:—

(1) मैसर्स अम्बविजय प्राइवेट लिमिटेड, सेसेक्स लोज, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पारस एपार्टमेंट को० ओ० रा० सो० लि० इन्दु बाग, होस्पीटल रोड जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संलग्न:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन काला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 12594 वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे नं० 1-19-4 पैकी प्लान नं० 7, प्लाट नं० 8, 18 तथा 19 है तथा जो बेडी बंदर जामनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण ता० 23/2/1978 को किये गये बिन्नी दस्तावेज नं० 580 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-9-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I
 अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-1635 (724)/10-
 1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीक्षा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-4-4, पैकी प्लाट नं० 7, प्लाट नं० 2
 से 7 तथा 20 से 25 है तथा जो बेडी बंदर रोड, जामनगर
 में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन 23-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) अम्बा विजय प्राइवेट लिमिटेड, सेक्सेक्स लोज,
 जामनगर
 (अन्तरक)
 (2) पारस एपार्टमेंट्स को० ओ० रा० सो० लि०
 इन्डुश्याग, अस्पताल रोड, जामनगर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 50280 वर्ग
 फुट है तथा जिसका नं० सर्वे नं० 1-19-4 पैकी प्लाट नं०
 7, प्लाट नं० 2 से 7 तथा 20 से 25 है और जो बेडी
 बंदर रोड जामनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण
 ता० 23-2-78 को किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 557 में
 दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा
 सभी प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 29-9-78
 मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1978

निदेश सं० पी० आर०-620/ए० सी० क्य०-23-1133/19-7/78-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 11, नोंघ नं० 527 है तथा जो बाड़ा चौरा, जैन देरासर गली के सामने, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात्:—

(1) श्री दलसुखभाई गिरधरलाल परेख, कोट यार्क नगर, बी० नं० 30, नवयुग कालेज के सामने, रान्देर रोड, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री रसीकलाल कालीदास दोशी, बाड़ा चौरा, जैन देरासर गली के सामने, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो बाड़ा चौरा, जैन देरासर गली के सामने, वार्ड नं० 11, नोंघ नं० 527 सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 63 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा फरवरी 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 835 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1978
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर, 1978

निवेश सं० पी० आर० 621/ए० सी० क्य०-23-1134/
19-7/78-79—अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वाँ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० बांड नं० 2, सं० नं० 2956/बी० है
तथा जो सग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तित्वों, पर्याप्ति:—

(1) सर्वंश्री (1) हंसाबेन, मेंसंतलाल रूपचंद की
विधवा स्वयं तथा (i) संदीप बसंतलाल, (ii)
बिन्दी बसंतलाल; सगीरों के बाली की हँसियत में
(2) नीलेश बसंतलाल, (3) पिनाकिन बसंतलाल
(4) अमीन बसंतलाल, मुगली सारा, सूरत।
(5) मनहरलाल नाना हमाई बकील, नवापुरा,
सूरत। (6) जयन्ती लाल छगनलाल चावला,
हरीपुरा, पीर छोड़ी, सूरत। (अन्तरक)
(2) श्री गुलाम हसन नूरमोहम्मद, जरीबाला, अनसारी
बाजार, भाजीबाली पोल, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्ष्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाराय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस
प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सूरत सिटी बांड नं० 2 सर्वे नं०
2956/बी० और कुल माप 312 वर्ग गज है तथा जो सग्राम-
पुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सूरत द्वारा फरवरी 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1516 में प्रदर्शित है।

एस० सी० पारीख
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 3-10-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० पी० आर०-622/ए० सी० क्य०-23-1135/
19-7/78-79—अतः मुझे एस० सी० पारीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 8, नोंध नं० 1395-बी० है तथा
जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 4-2-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी पाय या किसी धन या अन्य आकियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवितयों, प्रार्थत :—

8-316 GI/78

(1) अरविन्द जयसुखलाल मेहता, 3-बी०, नवशंशिला
एपार्टमेन्ट्स, 56, टामोर रोड, शान्ताकृज, बम्बई
54
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. ज्योतिन्द्र नारनजी देसाई, 2. दिनकर
भाई नारनजी नायक, 3. सतीशचन्द्र नारनजी
देसाई, कायस्थ मोहलो, गोपीपुरा, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवितयों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधित :—इसम प्रथम शब्दों प्रौर पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 8 नोंध नं० 1395-
बी०, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 152
वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत द्वारा
फरवरी 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
932 में प्रदर्शित है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1978

मोहर :

प्रलूप प्राइंट टी० एत० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर, 1978

निवेश सं० पौ० आर०-623/ए० सी० क्य०-23-1136/
19-7/78-79—अतः मुझे एस० सी० पारीखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 44/2, गांव मजूरा, जिला
सूरत है तथा जो भातर रोड, गांव माजूरा, जिला सूरत
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन फरवरी 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्राधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुप्तिका के लिए:अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व
की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पत :—(1) श्री महेन्द्र कुमार बलवंतराय देसाई, बरमा
हाउस बाला, मेन रोड, सग्रामपुरा, सूरत
(अन्तरक)(2) इन्द्रा एपार्टमेंट्स को० आ० हाउसिंग सोसायटी
लि० (सूचित) चीफ प्रोमोटर: कान्तीलाल मोहन
लाल बाड़ी कालिया, स्टोर एंटी, सूरत।
(प्रत्यक्षित)की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्यताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सर्वे नं० 44/2 गांव मजूरा जिला
सूरत भातर रोड, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप
13214 बर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
द्वारा फरवरी 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 882 में प्रदर्शित है।एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर, 1978

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-111/394/मार्च-९१/७८-७९—प्रतः मुझे जो० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-465 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-३-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) मन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री राज पाल सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री चन्दा सिंह निवासी 66-ए/5, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली तथा श्रीमती कुन्दन कौर, पत्नी स्वर्गीय श्री चन्दा सिंह श्री तेज पाल सिंह तथा श्री मानी पाल सिंह (दोनों नाबालिग), सुपुत्र श्रीमती कुन्दन कौर, निवासी 66-ए/5, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री आर० के० चावला, सुपुत्र श्री बी० आर० चावला, निवासी 3-सी/3, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दाई मंजिला (अधूरी बनी हुई) विलिंग जिसका नं० एस०-465 है और क्षेत्रफल 208 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	रोड
पश्चिम	सर्विस लेन
उत्तर	प्लाट नं० एस-463
दक्षिण	प्लाट नं० एस-469ए

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-10-10-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर०-१११/
३००/फरवरी-१३/७७-७८—अतः मुझ जै० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सहूरपुर, दिल्ली
राज्य में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या मन्त्र प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—(1) श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री पदम चन्द्र
गुप्ता, निवासी 46, बाबर रोड, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)(2) मै० साईट एण्ड साउण्ड, 6, कनाट सर्कस, नई
दिल्ली । (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण
दीया जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 बीघा तथा 18 बिसवा
है और खसरा नं० 7 (2-16), 8 (4-16), 9 (4-16),
10 (4-16), 11 (2-9), 14 (1-5) है, सहूरपुर,
दिल्ली राज्य म है।जै० एस० गिल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-१११/३४८/मार्च-१९/७८-७९—अतः मुझे जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-१०६ है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० के० गिरधारी, द्वारा ट्रेडिंग इंजीनियर, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० तिवारी, सुपुत्र श्री एन० के० तिवारी निवासी बी०-१२३, नारायणा, नई दिल्ली-१ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लाट जिसका नं० जी-१०६ है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज क्षेत्रफल है, कालकाजी, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

प्रारूप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14, आसफाली भार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-III/
355/मार्च-33/78-79—अतः मुझे जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-० से अधिक है,

और जिसकी सं० एस०-217 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में वर्ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) वे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

(1) श्री अशोक कुमार, सुपुत्र श्री राम सरन दास,
निवासी डी-177, कमला नगर, सज्जी मण्डी,
दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्रा पाल अग्रवाल, सुपुत्र श्री नमन चन्द्र,
निवासी 3936, गली केसर वाली, पहाड़गंगा,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 217, लाक नं०
'एस' है, और क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, निवासी कालोनी
ग्रेटर कैलाश-, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व	: रोड
पश्चिम	: सर्विस लेन
उत्तर	: प्लाट नं० एस०-215
दक्षिण	: प्लाट नं० एस०-219

जे० एस० गिल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7-9-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसक्तिराम मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-III/
मार्च-३७/३५७/७८-७९—अतः मुझे जै० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस-२७६ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 10-३-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
शयित्र में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रौरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरमीन्द्र सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री पियारा
सिंह, जांप्रेट सैकटरी, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस
(जी), साउथ ब्लाक, नई दिल्ली (अन्तरक)
(2) श्री भूपिन्द्र सिंह भाटिया, सुपुत्र श्री बलदेव सिंह
भाटिया, निवासी 116, एशिया हाउस, कस्टरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई पौ आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धी

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 276 ब्लाक नं० 'एस'
है और थोकफल 308 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: प्लाट नं० एस-278
पश्चिम	: प्लाट नं० एस-274
उत्तर	: सर्विस लेन
दक्षिण	: रोड

जै० एस० गिल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 27-९-1978

मोहर :

प्रह्लाद आई० दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/
345/मार्च-13/78-79—श्रतः मुझे जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-2/26 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(रु) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महन्त लक्ष्मन दास, सुपुत्र बाबा आतम प्रकाश, द्वारा श्री प्रेम सागर, वकील, निवासी 12/11, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल तथा वलोचन मिह, सुपुत्र श्री बहादुर चन्द, निवासी 11-सी/26, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए संकेते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ दीया, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड जायदाद जिसका नं० जी०-2/26 है श्री अन्तरकल 100 वर्ग गज है, लाजपत नगर, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 27-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/382/मार्च-89/78-79—अतः सुझे जे० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-316 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में जधारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए; **और/या**

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जित्तें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

9—316GI/78

(1) श्री हुकम चन्द, सुपुत्र श्री करम चन्द, निवासी जी-138, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर, पत्नी श्री उपकार सिंह, तथा श्री अमरजीत सिंह, सुपुत्र श्री उपकार सिंह, निवासी सी-453, लिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एस०-316 है और क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, निवासी कालोनी प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० एस०-312

दक्षिण : प्लाट नं० एस०-318

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

प्रष्टप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० भ्रार०-III/
३५९/मार्च-३९/७८-७९—भ्रतः सुझे जे० एस० गिल,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से भ्रधिक है और जिसकी संख्या डब्ल्यू०-११४ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपान्दू भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 9-३-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से भ्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरित (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रत, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-ग के भ्रन्तरण में, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के भ्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थतः:—

1. श्री ओम प्रकाश मकेल, सुपुत्र श्री हरवंस लाल मकेल, निवासी-१७०७, प्रताप स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
2. श्री कुलदीप कौर, पत्नी श्री मोती सिंह, तथा श्रीमती मेहर कौर, पत्नी श्री हुकम सिंह, निवासी सी-२/२५, माडल टाउन, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अस्त्विक्ति द्वारा भ्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० डब्ल्य०-११४ है और क्षेत्रफल 618 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: रोड़
उत्तर	: प्लाट नं० डब्ल्य०-११२
दक्षिण	: प्लाट नं० डब्ल्य०-११६

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-९-१९७८

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००/१/एस० आर०-III/ 351/मार्च-26/7879—अतः मुझे, जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- अपरे से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा नं० 987-88 तथा 994 से 997 सत्रवरी गांव, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिकी (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

(1) श्री उरवीन्द्र सिंह कोहली, सुपुत्र श्री नरीन्द्र सिंह कोहली, निवासी 47, जोर बाग, नई विल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री जगमोहन कपुर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० पी० कपुर, निवासी एल०-16, कनाट प्लस, नई विल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अस्तरिकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 बीघा तथा 16 बिसठा है और खसरा नं० 987 (4-16), 988 (5-16), 989 (6-16), 994 (3-12), 995 (4-14), 996 (4-16), 997 (3-6) है, सत्रवरी गांव, महरौली तहसील, नई विल्ली में है।

जे० एस० गिल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट भाई० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
352/मार्च-27/78-79—अतः मझे जै० एस० गिल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के अधीन तभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 984, 1035 तथा 1039
है तथा जो सतवरी गांव, महरौली तहसील, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 7-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें सारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, पै. उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, भर्ति :—

(1) श्री परवीन्द्र सिंह कोहली, सुपुत्र श्री परीन्द्र सिंह
कोहली, निवासी 47, जोर बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) जगमोहन कपूर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० पी०
कपूर, निवासी एल०-16, कनाट प्लेस, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वयी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बीघा मेथा 9 बिसवा
है और खसरा नं० 984 (4 बीघा 1 बिसवा), खसरा नं०
1032 (4 बीघा 16 बिसवा), 1035 (1 बीघा 16
बिसवा) है, सतवरी गांव, महरौली तहसील, दिल्ली राज्य
में है।

जै० एस० गिल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख : 27-9-1978

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी०एन०एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्य००/१/एस० आर०-III/
३३६/मार्च-७९/७८-७९—अतः मुझे जै० एस० गिल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-219 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23 मार्च,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपशाखा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सचिवानन्द प्रसाद सिंह, निवासी हथवा हाउस,
पटना-1
(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० कपानी, सुपुत्र श्री पी० एन०
कपानी, निवासी श्री वाई पी० मेहता, निवासी
25, अलीपुर इस्टेट्स, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रालय में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ट्रॉकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एम०-219 है और
क्षेत्रफल 421 वर्ग गज है, निवासी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में स्थित है।

जै० एस० गिल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/338/मार्च-२/७८-७९—अतः मुझे जै० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-५२१ है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-३-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अनुसार:—

(1) श्री रणधीर सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री तारा सिंह, निवासी 50, अशोक रोड, नई दिल्ली-१ (अन्तराक)

(2) श्रीमती चम्पा देवी, सुपुत्री श्री मेहर चन्द, निवासी ई-४१५, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली १ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास मिलित में किये जा सकेंगे।

उपचारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिचालित है, वही प्रथम होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० ई-५२१ है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: रोड
पश्चिम	: सर्विस लेन
उत्तर	: मकान नं० ई-५२३
दक्षिण	: मकान नं० ई-५१९

जै० एस० गिल
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 28-९-१९७८

मोहर:

प्रसूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एकप०/१/एस० आर०-III/
396/मार्च-९४/७८-७८—अतः मृमते जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-७५ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांचड़ मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-३-१९७८ को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मत, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री एस० जोगीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री हंस राज खनुजा, श्री भाई श्री सुभाष कुमार के लिए स्पेशल ग्राटारनी, सुपुत्र श्री हंस राज खनुजा, निवासी बड़ा बाजार, हाता, जिला दमोह तथा श्रीमती ईश्वर देवी, विधवा पत्नी श्री हंस राज खनुजा, निवासी बड़ा बाजार, हाता, जिला दमोह।
(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० गोवा, सुपुत्र श्री आर० सी० गोवा, तथा श्रीमती सनैह गोवा, पत्नी श्री बी० के० गोवा, निवासी ई-४१६, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जाएं सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एम०-७५ है और क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: रोड
पश्चिम	: सर्विस लैन
उत्तर	: प्लाट नं० एम-७३
दक्षिण	: प्लाट नं० एम-७७

जे० एस० गिल
सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-९-१९७८

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/
341/मार्च-8/78-79—अतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या एस०-23 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रियतंत्र में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रेटर उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शिव शंकर गुप्ता, सुपुत्र लाला संत लाल,
तथा भूज विहारी लाल, सुपुत्र लाला राम अन्द्र,
निवासी महेश्वरी फैन्सी स्टोर, 4135, नई सड़क,
दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० जाली, सुपुत्र श्री राम लाल,
निवासी सी-2/39, सफदरजंग डेवलपमेंट एसिया,
नई दिल्ली-16
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एस०-23 है और
थोकफल 300 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० एस०-21

दक्षिण : प्लाट नं० एस०-25

[जे० एस० गिल
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अंक (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३३/ 342/मार्च-९/७८-७९—ग्रतः मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अंक के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एन०-239 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-3-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-अंक के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-अंक की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अधीतः—
10-316GI/78(1) श्री नन्द लाल कुमार, सुपुत्र श्री हुकम चन्द, निवासी द्वारा मैं आशा ट्रेडिंग कारपोरेशन, दाऊ बाजार, कलाय मार्किट, दिल्ली।
(अन्तरक)(2) श्रीमती मधु अग्रवाल, पत्नी श्री सुदर्शन अग्रवाल, निवासी एच०-16, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी ग्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति वे हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संपत्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं. एम०-239 है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विसलेन
पश्चिम : रोड
उत्तर : प्लाट नं. एम-237
दक्षिण : प्लाट नं. एम-241जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/ 364/मार्च-46/78-79—प्रतः भुजे जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या एस०-312 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सुदर्शन कुमार गर्भीर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
गुलाब राम, निवासी ४०-७२, कालकाजी, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी दास सिक्का, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मुटवाल
अन्द सिक्का, तथा श्री बनारसी दास सिक्का तथा
विनोद कुमार सिक्का, सभी सुपुत्र श्री लक्ष्मी
दास सिक्का, निवासी-२१२९, कूचा दक्षिणी राय,
दरियागंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका नं० एस०-312 है और
धेनफल 300 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पश्चिम : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० एस०-310

दक्षिण : प्लाट नं० एस०-316

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी.एन.एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
३५६/मार्च-३६/७८-७९—अतः मुझे जै० एस० गिल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-१०१-ए है तथा जो कालकाजी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी इन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के प्रनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री बोध राज, निवासी 8/6, डब्ल्यू० ई० ए०,
करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द शर्मा, निवासी सी-101-ए०,
कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूक्ष्मी के पास लिखित
में किए जा सकें।

प्रधानकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लाट जिसका नं० सी०-१०१-ए है, कालकाजी,
नई दिल्ली में है।

जै० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th September 1978

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 2-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri J. L. Kapoor,
2. Kumari Santosh Handa.

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis as Section Officer (D.P.) in the Commission's office for the period from 2-9-1978 to 30-11-1978 or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri B. R. Gupta.
2. Shri M. M. Sharma.
3. Shri Jagdish Lal.

No. A. 32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (D.P.) in the office of Union Public Service Commission for the period from 13-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. C. MATHUR,
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 21st September 1978

No. A. 32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officers' Grade of the CSS cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
1.	Shri B. S. Kapur,	1-8-78 to 16-9-78.
2.	Shri B. R. Verma,	2-8-78 to 16-9-78.
3.	Shri P. C. Mathur,	19-8-78 to 30-9-78.

The 3rd October 1978

No. A. 32013/1/78-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 16-6-1978, the President is pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I officer of the CSS Cadre, of the Union Public Service Commission as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, w.e.f., 1-9-1978, until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th October 1978

F. No. A. 19036/25/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P./S.P.E. is pleased to promote Shri N. N. Singh, Inspector, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police, C.B.I. on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 22-9-78 and until further orders.

The 13th October 1978

F. No. A-19036/26/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. is pleased to promote Shri O. P. Chattwal, a permanent Inspector, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police, C.B.I. on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 22-9-78 and until further orders.

The 7th October 1978

F. No. A-19036/10/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.F. is pleased to appoint Shri S. N. Swain, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Orissa Police, to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from the forenoon of 4-10-78 until further orders.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, 16th October 1978

No. O.II-1090/78-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. (Retd.) T. D. Sinha as Chief Medical Officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis initially for a period of one year with effect from 16-9-78 (FN).

2. He is posted to Base Hospital-II, CRPF Hyderabad.

The 17th October 1978

No. F. 4/47/74-Estt.—Consequent on his repatriation to parent State Karnataka, Shri G. B. Lingadalli, relinquished charge of the post of Dy. S.P. (Coy. Comdr.), 48th Bn, CRPF, on the afternoon of 19th September, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SCHOOL SERVICE

Calcutta, the 10th July 1978

No. 2/78/School.—The DGOF is pleased to appoint the undermentioned Teacher Offg. Headmaster (High School) (Group 'B' Gazetted) w.e.f., 28-3-78 until further orders.

Name	From	To
Shri H. S. Dubey Headmaster (M/J) OEFC School, Kanpur Headmaster (High School) CFA School (Group B Gazetted).		

D. P. CHAKRAVARTI,
ADG/Admn.,
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

D.G.F.A.S.L.I.

Bombay, the 7th October 1978

No. 37/9/60-Admn.—Shri R. N. Thakur a permanent Inspector (Artist and Layout Expert) retired from that service with effect from the afternoon of 30th September, 78 on attaining the age of superannuation.

A. K. CHAKRABARTY,
Director General

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 7th October 1978

No. 20/77/19C/3673N.—The following officers are confirmed in the grade of Librarian (Group 'B', Scale of pay Rs. 650-30-740-35-880-40-1000-EB-40-1200/-) in the Geological Survey of India with effect from the dates as shown against each.

Sl. No.	Name of officers.	Date of confirmation.
1.	Shri Sibabrata Ghosh	17-2-1975.
2.	Shri Kuldip Sehgal	17-2-1975.
3.	Shri Debi Prasad Neogi	26-9-1976.

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th October 1978

No. A.12025/48/76(NMELP)/Admn.I.—In this Directorate's Notification No. A. 12025/48/76(NMELP)/Admn.I, dated 14-8-1978 for "Assistant Director (Ent)" read "Deputy Assistant Director (Ent)".

No. A. 12026/38/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Ghai, Desk Officer, in the Directorate General of Health Services to the post of Officer on Special Duty in the same Directorate on an *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 7th September, 1978.

No. A. 19020/38/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Service is pleased to accept the resignation of Smt. Shobha Nath (nee Raheja), Research Officer (Nutrition), Directorate General of Health Service from Govt. service with effect from the afternoon of 31st August 1978.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 13th October 1978

No. A.19023/34/78-A.III.—Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Livestock Products), Shri B. K. Sinha handed over charge of the post of Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay in the forenoon of 26-8-1978.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration,
For Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 9th October 1978

No. H/285/Med/Estt.I/3899.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Arif Husain a temporary Resident Medical Officer in the same Centre with effect from the afternoon of July 31, 1978.

No. K/2330/Med/Estt.I/3900.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Ashok Tarachandji Kamble a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of March 24, 1977.

No. L/347/Med/Estt.I/3901.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. (Smt.) Shobhana Sudhir Lele a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of June 12, 1976.

No. B/1494/Med/Estt.I/3902.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Shrikant Balkrishna Bavare a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre from the afternoon of March 26, 1977.

No. P/1973/Med/Estt.I/3903.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. (Smt.) Perinthalakat Narayanan Prabhavathy a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of December 31, 1976.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 21st September 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./13507.—In continuation of this Division's notification of even number dated July 31, 1978, Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 17, 1978 to the afternoon of August, 29, 1978 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer, deputed for training, continued to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of August 31, 1978.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 18th September 1978

No. NAPP/Adm/4(2)/78-S/9462.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora hereby appoints Shri M A Rajjan a permanent U.D.C. in PPED Pool and officiating selection Grade Clerk in this Project as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of July 18, 1978 to the afternoon of August 31, 1978 in the same Project in a temporary capacity on an ad hoc basis.

The 20th September 1978

No. NAPP/Adm/1(103)/78/S/9543.—Consequent on his posting as Assistant Personnel Officer in the Narora Atomic Power Project under DAE Office Order No. 20/5(1)/75-CCS dated August 7, 1978, the Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project hereby appoints Shri Prem Prakash, Asst. Personnel Officer, Atomic Minerals Division, Bangalore, to officiate as Assistant Personnel Officer in this Project in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of September 1, 1978, until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 16th October 1978

No. AMD/2/(2751)/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, has accepted the resignation submitted by Shri Mohanty Girihari, a Temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from 14th September, 1978 (A/N).

S. RANGANATHAN,
Senior Administrative and Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 10th October 1978

No. SAC/EST/TESC/7/78.—The Director is pleased to appoint Shri Sudhir Dattatray Erande as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of September 8, 1978 for a period upto August 31, 1979.

No. SAC/EST/TESC/9/78.—The Director is pleased to appoint Shri Ratnakar Ganpatrao Gandhe as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of September 8, 1978 for a period upto August 31, 1979.

S. G. NAIR
Head, Personnel & General Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 6th October 1978

No. 26/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector Central Excise, Kanpur Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri J. N. Tewari, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Central Excise, MOR Etawah in the forenoon of 21-1-78.

K. L. REKHI
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 1978

No. 11-TR(8)/78.—The President is pleased to appoint Shri Uday B. Ranadive, as Engineer Officer, in the Directorate of Marine Engg. Training, Bombay on *ad hoc* basis with effect from 1st September 1978 (Forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bombay Capital Provident & General Insurance Company*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 2203/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bombay Capital Provident & General Insurance Company has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Deccan Publishers Limited*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 2708/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Deccan Publishers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Indentors Syndicate Private Limited*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 4938/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Indentors Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. All Minerals (India) Private Limited*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 9208/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. All Minerals (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Intercean Services Corporation Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 9289/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Intercean Services Corporation Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Technicians Ineffective Advertising & Marketing Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 15149/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Technicians Ineffective Advertising Marketing Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. New Haven Exports Private Limited*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 15637/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. New Haven Exports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Trident Hotels (Pvt.) Ltd.*

Bombay-2, the 26th September 1978

No. 16064/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Trident Hotels (Pvt.) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*Notice under section 445(2) of the companies Act, 1956 in
the matter of M/s. The Oriental Trade & Finance Private
Limited*

New Delhi, the 13th October 1978

No. Co. Ltn/3992/18166.—By an order dated the 17-5-78
of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. The Oriental Trade
& Finance Private Limited has been ordered to be wound
up.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Trikuta Finance & Chit Fund Private Limited*

New Delhi, the 13th October 1978

No. 3639/18221.—Notice is hereby given pursuant to sub-

section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that
at the expiration of three months from the date hereof the
name of the M/s. Trikuta Finance & Chit Fund Private
Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck
off the Register and the Company will be dissolved.

P. S. MATHUR
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

FORM ITNS

(1) Smt. Shalinibai w/o Vasudev Pendase, House No. 25/A4, Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 21st September 1978

C.R. No. 102/231/78.79/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 25/A5 situated at Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under document No. 2976/77.78, on 21-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2976/77.78 Dated 21-2-1978]
House property situated at Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum, Bearing C.T.S. No. 25/A5.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-9-1978

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4**

Dharwar, the 29th September 1978

Notice No. 232/78.79/ACQ.—Whereas, J. D. C. RAJAGOPALAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 497/B/1/A situated at Bangalore Road, Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bellary under document No. 2304 on 3-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—316GI/78

(1) 1. Shri H. Balaram Reddi S/o H. Ramakrishnareddi
2. Shri H. Prahladareddi S/o H. Balaramareddi S/o
Halharvi Village, Alur Tq. Karnool Dist. (AP).
(Transferor)

(2) 1. Shri B. Narayananareddi S/o B. Dasareddi, Nirnal Talkies Adoni.
2. B. Lingareddi S/o B. Laxmanreddi Kogilatuta Post, Alur Tq.
3. Kannaporanna S/o Karibasappa, Vegetable Vendor, Adoni.
4. Dandina Sarbanna S/o Thippayya, Commn. Agent, Near Brunepeth, Bellary
5. Dandeva Danamma D/o Dandevareddi C/o Akki Rudrappa, Commission Agents, Bellary.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open site situated in ward No. 16 within the Municipal limits of Bellary in S. No. 497-B-1/A T.S. No. 15-B-3. Southern Portion towards Meenaxi Lodge measuring 609 sqms.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 29-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. Neelakanthareddy S/o late Sri II. Sankarareddy Post : Halharvi, Alur Tq. Kurnool Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

(2) 1. Shri B. Naryanareddy S/o B. Dasareddi, Nirmal Talkies, Post Adoni.
2. B. Lingareddi S/o B. Laxmanareddy Post. Kogilatota. Alur Tq.
3. Kamlaporanna S/o Karibasappa, Vegetable Vendor, Adoni
4. Dandina Sarabanna S/o Thippayya, Commn. Agents, Near Bruscpeth Police Station, Bellary.
5. Dandina Danamma D/o Dandina Rudrappa C/o Akkirudiappa Commn. Agents, Bellary.

(Transferee)

Dharwar, the 29th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Notice No. 233/78.79/D.ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJA GOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Bangalore Road Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary DOC. No. 2305 on 3-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open site situated in Ward No. 16 within the municipal limits of Bellary in S. No. 497/B-1/A T.S. No. 15-B-3. Southern side measuring 609 Sqms.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar, the 29th September 1978

Notice No. 234/78.79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

497-B-1/A, T.S. No. 15-B-3, situated at Bellary, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bellary under document No. 2306/77.78 on 3-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (1) Shri H. Kesava Reddi, S/o H. Balarama Reddi, Halaharvi, Alur Taluk, Karnool Dist.
- (2) Shri H. Venkateswara Reddi, S/o. H. Balarama Reddy, Halaharvi Village, Alur Taluk.
(Transferors)
- (2) 1. Shri B. Narayanreddi, Nirmal Talkies, Adoni.
- 2. Shri B. Lingareddi, Kogilathota Post, Alur Taluka,
- 3. Shri Kanne Poranna S/o Karcbasappa, Vegetable Vender, Adoni
- 4. Shri Dandina Sarabanna, S/o Thippaiah, Commission Agent near Brucpet Police Station, Bellary.
- 5. Dandina Danamma D/o Rudrappa, C/o. Akki-rudrappa, Commission Agent, Bellary.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2306/77.78 Dated 3-2-1978
Open site situated in ward No. 16, bearing No. 497-B-1/A, T.S. No. 15-B-3, Southern portion towards Meenakshi Lodge, Bellary.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 29-9-78.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4**

Dharwar, the 29th September 1978

Notice No. 235/78.79/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar

Acquisition Range Dharwar
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 497-B-1/A, T.S. No. 15-B3, situated at Bellary
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under document No. 2307/77.78 on 3-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anantashayan Reddy adopted S/o late H. Lingareddy, Hallaharvi Post (Alur Tq.)
2. H. Kamalamma D/o Late H. Lingareddy, Hallaharvi Post,
3. Smt. H. Yenkamma W/o late H. Lingareddy, Hallaharvi Post. Alur Taluka Kurnool District.

(Transferees)

(2) 1. Shri B. Narayreddy S/o B. Dasa Reddy, Nirmal Talkies, Post Adoni.
2. Shri B. Lingareddy S/o B. Laxmanreddy, Post-Kogilathota, Tq. Alur.
3. Shri Kanne Poranna S/o Karibasappa, Vegetable Vendor, Adoni,
4. Shri Dandina Sarbanna S/o Thippaiah, Commission Agent, near Byacepeth Police Station, Bellary.
5. Dandina Danamma D/o Dandin Rudrappa, C/o Akki Rudrappa, Commission Agent, Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2307/77.78 Dated 3-2-1978]
Open site situated in ward No. 16, within the Bellary Municipal Limits, survey No. 497-B-1/A, T.S. No. 15-B3 Southern Portion Towards Meenakshi Lidge, Bellary.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar-4.

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 29th September 1978

Notice No. 236/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 497/B/I/A situated at Bangalore Road, Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary Under Document No. 2308 on 3-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. H. Sundramma w/o late H. Rami Reddi, Halaharavi, Alur Taluk,
2. Minors H. Rajagopala Reddi, H. Laxmikantha Reddy, H. Sreenivasa Reddi, H. Suscelamma by guardian and mother H. Sanjeevamma, Halaharavi, Alur Taluk,
3. H. Sanjeevamma w/o late H. Thimma Reddi, Halaharavi, Alur Taluk,
4. H. Ramadasa Reddi s/o late H. Rami Reddi, Halaravi, Alur Taluka.

(Transferors)

(2) B. Narayana Reddi s/o B. Dasa Reddi, Halaharavi, Alur taluk,
2. B. Linga Reddi s/o B. Laxma Reddi, Kogilathota, Alur Taluk,
3. Kanne Poranna s/o Karibasappa, Adoni, Kurnol Dist.
4. Dadina Sarabanna s/o Thippaiah, Bellary,
5. Dandina Danamma d/o Dandina Rudrappa of Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2308 dated 3-2-78]
Open site situated in ward No. 16 within the Municipal limits of Bellary in S. No. 497-B-1/A T.S. No. 15-B-3, Southern portion towards Meenaxi Lodge measuring 609 Sqms.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 29-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 29th September 1978

File No. 362/8/78/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 497-B-1/A situated at Bangalore Road, Bellary, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellary Under document No. 2309 on 3-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. H. Ramakrishna Reddi s/o late H. Sankara Reddi, Resident of Halaharavi, Alur Taluk
2. H. Laxamamma widow of late H. Sankara Reddi, Resident of Halaharavi, Alur Taluk

(Transferors)

(2) 1. B. Narayana Reddi s/o B. Dasa Reddi, of Halaharavi, Alur Taluk
2. B. Linga Reddi s/o B. Laxama Reddi, of Kogilthota, Alur Taluka
3. Kanna Poranna s/o Karibasappa, of Adoni, Kurnol Dist.
4. Dadina Sarabanna s/o Thippaiah, resident of Bellary.
5. Dandina Danamma d/o Dandina Rudrappa r/o Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2309 dated 3-2-78]
Open site situated in ward No. 16 within the Municipal limits of Bellary in S. No. 497-B-1/A T.S. No. 15-B-3. Southern portion towards Meenaxi Lodge measuring 609 Sqms.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 29th September 1978

Notice No. 238/78-79/ACQ/D.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 497-B-1/A situated at Bangalore Road, Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bellary Under Document No. 2310 on 3-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S/Shri

(1) 1. H. Siva Reddi s/o late H. Laxmi Reddi, R/o Halaharavi, Alur Taluk.
2. H. Hanumantha Reddi s/o late H. Laxmi Reddi, R/o Halaharavi, Alur Taluk.
3. H. Basamma w/o late H. Laxmi Reddi, R/o Halaharavi, Alur Taluk.

(Transferors)

S/Shri

(2) 1. B. Narayana Reddi s/o B. Dasa Reddi, R/o Halaharavi, Alur Taluk.
2. B. Linga Reddi s/o B. Laxma Reddi, R/o Kogilathota, Alur Taluka.
3. Karne Poranna s/o Karibasappa, R/o Adoni, Kurnol Dist.
4. Dadina Sarabanna s/o Thippaiah, Bellary,
5. Dandina Danamma d/o Dandina Rudrappa of Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2310 dated 3-2-78]
Open site situated in ward No. 16 within the Municipal limits of Bellary in S. No. 497-B-1/A, T.S. No. 15-B-3, Southern portion towards Meenaxi Lodge measuring 609 Sqms.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 29-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S. Chandrasekaran,
S/o S. Samynatha Pillai,
12, East Chatram Road, Thennur,
Trichy Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. Sivakkannu,
B-20, North East Extension,
Thillainagar, Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 7th October 1978

Ref. No. 8124.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, Thennur, Keelachatram Road, situated at Tiruchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 587/78) on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situate at Door No. 12, Thennur Keelachatram Road, Trichy Document No. 587/78 (JSR I, Trichy).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 7-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri RM. K. RM. Kumarappa Chettiar,
Pudumanai 3rd Street,
Rayavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. L. Meenakshi,
W/o Shri PV. PL. RM. Alagappa Chettiar,
Pudumanai 3rd Street,
Rayavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1978

Ref. No. 8123.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Pudumanai, 3rd Street, situated at Rayavaram Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Thirumayam (Doc. No. 5/78) on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Pudumanai 3rd Street, Rayavaram, Pudukkottai District (Doc. No. 5/78)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
12-316GI/78

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1978

Ref. No. 8111.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

53, 54 and 55 North Kudiyana St., Mela Cauvery, situated at Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 129/78) on 4-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. A. Mohamed Sirajudeen,
S/o M. Abdul Azees,
53, 54, 55, North Kudiyana St., Mela Cauvery,
Kumbakonam.

(Transferor)

(2) A. Abdul Hameed,
S/o Abdul Rahiman,
52, Muslim Main St.,
Mela Cauvery, Kumbakonam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Land and Building comprised in T.S. No. 1947 and 1948, Door No. 53, 54, 55, North Kudiyana St., Mela Cauvery, Kumbakonam.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 7-10-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. C. S. Rajalakshmi,
14/116A, Radhakrishna Road,
Talabab, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1978

Ref. No. 4602.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 11/497, situated at
Sanganur Village, Coimbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 200/78 on 13-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (i) Smt. Sarada Devi,
W/o Shri P. Nandakumar.
(ii) Smt. Vclumani,
W/o Chenniappa Gounder,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Land and Building in T.S. No. 11/497 in Sanganur Village, Coimbatore Taluk.

Document No. 200/78.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. C. S. Rajalakshmi,
14/116A, Radhakrishna Road,
Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. C. Parimalam,
D/o Chenniappa Gounder,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. 4602.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-
MURTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 11/497, situated at Sanganur Village,
Coimbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore Doc. No. 204/78 on 13-2-198
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property : Land and Building in T.S. No. 11/497 in
Sanganur Village, Coimbatore Taluk.
Doc. No. 204/78.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons namely :—

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Dorothy Barton Wright,
W/o Robert Barton Wright,
North Lake Road, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Viswanathan S/o Marutha Pillai
Westbury Road, Ootacamund.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th November 1978

Ref. No. 4621.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 3063/1A1, situated at Ootacamund Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty on 22-2-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 4 Acres in extent comprised in R.S. No. 3063/1A1 of Ootacamund Town.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref. No. 6080/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, General Pattern Road situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Triplicane Madras (Doc. No. 133/78) on 13-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) J. D. Italia & Dr. Farid J. Italia, Attorneys for Executors of late Dinsha Dadhabai Italia, C/o Wellington Takies & Co. Mount Road, Madras.

(Transferor)

(2) R. Sathyarayana, 10A, North Crescent Road, Madras-17.

(Transferee)

(3) M/s. Galley & Co, Jyothi Motors and Reliable Motor Stores.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of 24, General Patters Road, Madras-2 3439 Sq. Ft.
(Doc. No. 133/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref. No. 6080/78-79.—Whereas, I. T. V. G. KRISHNA-MURTHY, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, General Patters Road situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 134/78) on 13-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) J. D. Italia & Dr. Farid J. Italia,
Attorneys for Executors of
late Dinsha Dadhabai Italia,
C/o Wellington Talkies & Co.
Mount Road, Madras.
(Transferor)

(2) Standard Electric Co.,
27, General Patters Road,
Madras-2.
(Transferee)

(3) M/s. Radio Services and Eastern Printers.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3053 sq. ft. in part of 24, General Patters Road, Madras-2.
(Doc. No. 134/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jamshid Dinsha Italia,
Wellington Talkies, Mount Road,
Madras-2.
(Transferor)

(2) Manickam Co.
By its partner K. S. Poochi Nadar,
156, Northveli St., Madurai.
(Transferee)

(3) Standard Furniture Co., &
Presidency Motors,
33 and 32, General Patters Road,
Madras-2.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref. No. 6080/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32 and 33, General Patters Road, situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 133/78) on 13-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4408 sq ft. comprised in 32 and 33, General Patters Road, Madras-2.

(Doc. No. 135/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) J. D. Italia & Dr. Farid J. Italia,
Attorneys for Executors of
late Dinsa Dadhabai Italia,
Wellington Talkies
Mount Road, Madras.

(Transferor)

(2) Manickam Co.
156. North Veli St., Maduram.

(Transferee)

(3) Tocky Toys Nathen Press
Anand Motors & Eastern Agencies
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref. No. 6080/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24, General Pattern Road situated at Madras-2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 133/78) on 13-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

5972 Sq ft. in part of 24, General Patters Road, Madras-2.
(Doc. No. 136/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—316GI/78

Date : 11-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. Ramachandran S/o V. G. Janakirama Reddy,
College House, Kamarajar Salai,
Madras-600005. (Transferor)

(2) V. O. George S/o M. K. Oomman,
22, Ghulam Abbas Ali Khan, 7th St.,
Madras-600006. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref No. 6048/78-79.—Whereas, J. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 96-B, Anna Salai, Vannia Teynampet, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras South (Doc. No. 520/78) on 9-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House & Ground No. 96-B, Anna Salai Vannia Teynampet, Madras.

(Doc. No. 520/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sankari Mahalingam,
10/3, Cenotaph Road, I St.,
Madras-600018.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi Shankar,
30, Central Avenue, Srinagar Colony,
Madras-600015.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1978

Ref No. 6056/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 117, Venkatapuram Village, situated at Saidapet, Madras-600015 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 157/78 on 16-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4 grounds and 1880 sq. ft. in T.S. No. 117, Block III Venkatapuram Village, Saidapet, Madras-600015.

(Doc. No. 157/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) G. Rajagopalan,
C, 12, West Garden St.,
Fairlands, Salem.

(Transferor)

(2) S. Lalitha W/o P. S. Swaminathan,
No. 18, 7th Main Road,
Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 6075/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20F, Bawa Rewather Road situated at Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 213/78) on 20-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

House and Ground at No. 20F, Mowbrays Road, Madras-18.

(Doc. No. 213/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sankari Mahalingam,
W/o C. V. Mahalingam,
30, Central Avenue, Srinagar Colony,
Madras-15.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Shankar
W/o Rajendra Shankar,
Kumar Apartments, 1st Floor,
81A, Unking Road, Bombay-400054.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 6224/78-79.—Whereas, I, T V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30, Central Avenue, situated at Srinagar Colony, Venkatapuram, Madras-15.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 157/78) on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 30, Central Avenue, Srinagar Colony, Venkatapuram, Madras-15.

(Doc. No. 157/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 6070/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/96, Big St., situated at Triplicane, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 741/78) on 24-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. S. Sundaram,
Mrs. Sarada,
Mrs. Jayalakshmi Ammal,
Minor Sudha,
Rep. by Jayalakshmi Ammal,
2/96, Big St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Mahalakshmi,
29/28/27/1, Kovila Mudi Vari St.,
Vijayawada-3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and property at 2/96, Big St., Triplicane, Madras and one ground and 474 and 3/8 sq. ft. in extent.

(Doc. No. 741/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) P. Madhavan Nair 2, Shaffee Mohammed Road,
Rutland Gate III St., Madras-6.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. M. Murugesa Naicker 2. M. Thirunavukkarasu
3. M. Anandan 4. M. Dhanalakshmi & 5. K.
Ygoambal 24, 1 Cross St, Madras-24.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 086/78-79.—Whereas, I,
T. V. G. KRISHNAMURTHY,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
2, Shaffee Mohamed Road, situated at Rutland Gate III St.,
Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
T. Nagar Doc No. 166/78 on Feb. 1978

for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money's or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No. 2, Shaffee Mohammed Road,
Rutland Gate III St., Madras-6 (Doc. No. 166/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 12-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. K. Viayalakshmi 1, Ratnanagar, Madras-18.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. S. Shanmugham 69, Karthikeyan Road, Saidapet, Arni (NA).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. F. 6053/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1, situated at Batnanagar, Teypampet, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 10-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Ratnanagar, Teynampet, Madras-18 (Dco. No. 167/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Sabita Doss 19/5, Srinivasa Avenue Road, Madras-28,

(Transferor)

(2) A. Sivagurunathan, 74, Sullivan Garden St., Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 6071/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19/5, Srinivasa Avenue Road situated at Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc No. 192/78 on February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 19/5, Srinivasa Avenue Road, Madras-28 (Doc. No. 192/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

14 -316 GI/78

Dated : 12-10-1978

Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. F. 6226/78-79.—Whereas, I,
 T. V. G. KRISHNAMURTHY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 S 31 situated at First Avenue, Shastrinagar, Madras-20
 (and more fully described in the scheduled annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Saidapet on Feb. 1978
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 money's or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
 tion (1) of Section 269D of the Act, to the following
 persons, namely:—

(1) L. Venkatanarasimhan 184, Eleventh Main, Sar-
 swathipuram Mysore-9.
 (Transferor)

(2) M/s. Krishnaswamy Associates (P) Ltd. 5,
 Mahatma Gandhi Road, Madras-41.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
 moveable property, within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and ground No. S-31, First Avenue, Shastrinagar, Madras-20 (Doc. No. 182/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 12-10-1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. P. Alexander, rep. by Mr. Verghese Eapen, 6, Dupleix Road, New Delhi-11.
(Transferor)

(2) Mrs. Geetha Rajkumar Menon, Miss Rina & Miss Seema 43A, St. Mary's Road, Madras-600018.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. F. 6085/78-78.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1G situated at Nungambakkam High Road, Madras-600034 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar on Feb. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1-G, Nungambakkam High Road, Madras-600034 (Doc. No. 159/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 12-10-1978
Seal :

FORM ITNS —

(1) Krishna Bhat, 6, Siva Shanmugham Pillai St., Madras-45.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Vedhagiri Reddiar & Smt. V. Saroja 343, Madayambakkam Village, Perumbakkam (PO).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th October 1978

Ref. No. 6058/78-79.—Whereas, J. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, Venkatesan St., situated at Madras-600017 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 86/78) on 2-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 17, Venkatesan St., Madras-17 (Doc. No. 86/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Dated : 12-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shamsuddin Curtimbhoy Veishal Co-Op. Society
Building, Paali Road Bandra, Bombay-5.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) V. S. A. Jamal Mohammed, V. S. A. Mohammed Farook V. S. A. Akbar Ali V. S. A. Asaraf Ali & V. S. A. Abdul Khader, 67, Muthu Mari Chetty St., Madras-1.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 12th October 1978

Rf. No. 6082/78-79.—Whereas, I,
T. V. G. KRISHNAMURTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
1, Boag Road, situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 141/78 on Feb., 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No. 1, Boag Road, Madras-17 (Doc. No. 141/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 12-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sivagami Pethachi, W/o M. Ct. Pethachi, Bedford Villa, Santhome, Madras-28.
(Transferor)

(2) P. Rathinambal, W/o Ponnambalam Chettiar, 36, Vellayan Oorani North Devakottai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 8195.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sekkalai Road Karaikudi ,61C 150, 150A to 160 situated at Sekkalai Road Karaikudi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi on 25-2-1978 (Doc. No. P4/92/78), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land and building at 150, 150A to 160, Sekkalai Road, Karaikudi.

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 12-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M. S. Mohamed Yusuf, S/o Sheik Ismail, Planter, Rham Road, Yercaud.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Samuel, S/o Late Mammen, 45, Darlington Bridge, Coonoor, The Nilgiris.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th October 1978

Ref. No. 4599/78-79.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 643 & 645, situated known as 'uplands' (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 126/78) on February 198 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building and land in R. S. No. 643 and 645 (known as Uplands).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 31-7-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mahendrakumar Balvantrai Desai; Sagarampura, Main Road, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Navnital Thakordas Ghariwala; Vice President: Shri Anand Mangal Coop. Housing Society, Salabatpura, Tadvali Sheri, Surat.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, 1st September 1978

Ref. No. P. R. No. 609 Acq. 23-1074/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 44/2, Village Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 1-2-1978 market value of the aforesaid property, and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair at Vijayawada on 21-1-1978

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 44/2, situated at Village Majura, Surat admeasuring 9492 sq. mts. as described in the sale-deed registered under registration No. 883 in the month of February, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedaba!

Dated : 1-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babaji Dhira ji Thakore, himself and as a Karta of H.U.F. and as a guardian of Minor Kanaiyalal of Village Ghantlodia, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bhuyangdev Co. Op. Hou. Soc. Ltd., C/O Shri Shantilal Shah, 4, Harisiddhakrupa Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, 1st September 1978

No. Acq. 23-I-1577 (712)/1-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 90-2 Sub-Plot No. 4A & 4B situated at Ghantlodia, Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on Feb. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of open land admeasuring 4292 + 4292=8584 sq. yd. bearing S. No. 90-2—Sub-Plot No. 4A & 4B of Village Ghantlodia, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-Deed Nos. 1406/1408/78 of February, 1978 and as fully described in the said sale deeds.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

15—316 GI/78

Dated : 1-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sarlaben Harshva-dan Makim, 17, Shyamkunj Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th September 1978

No. Acq. 23-I-(715)/1-1/1776/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 184/185, Paiki Hissa Sub-Plot No. 34, F.P. 558-A, TPS. 21, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(2) Hameshvarkunj Co-Op. H. Soc. Ltd., through Chairman : Shri Chaturbhaji Ambaram Patel, & Others, 3-54, Sundernagar, Naranpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece & parcel of land adm. 377 sq. metre bearing S. No. 184/185 Paiki Hissa Sub-Plot No. 34, Paiki Final Plot No. 558-A, duly registered with Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 1244/2.2.1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khodaji Shivaji, Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) P. & T. Civil Engineering Wing 1. Staff Co-Op. Soc. Ltd. through (1) Chairman Shri Saiyed Abdulhussain Rahim, Kagdiwad, Kocharab, Ahmedabad & 2. Secretary : Shri Rohitkumar Vithaldas Shah, Kalupur, Zampada's Pole Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, 1st September 1978

No. Acq. 23-I-1579(708)/I-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARikh,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 22(Old) situated at Vejalpur (New No. 23),
Dist. Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 9-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or
the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 22 (old) situated at
Vejalpur (New No. 23) Dist. Ahmedabad duly registered
with the Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No.
1460 dated 9-2-1978.S. C. PARikh,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Ganchi Aba Hassan Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009. the 1st September 1978

No. Acq. 23-I-1630(709)/11-1/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Open land with small house located Nr. Police Parade Ground situated at Outside Shahpur Darwaja (Close to Jalaram Society) Junagadh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 27-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Juwanshi Pratapshi, through partners :
1. Smt. Jayantkumvarba Juwanshi 2. Shri Nandal Khushalchand Daftary 3. Shri Umarbhai Nathubhai 4. Shri Jikarbhai Nmarbhai 5. Shri Atulkumar Chimanlal Sanghvi C/o C. N. Daftary, Advocate, Chhaya Bazar, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An open land with a small out-house admeasuring 14062 sq. meters situated just near Police Parade Ground, (close to Jalaram Society) Outside Shahpur Gate, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 185 dated 27-2-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 1-9-78.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Fatmabai D/o Mohmadali Nazarali; Siddhpur Tal. Siddhpur, Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) 1. Shri Godadbhai Ujabhai Patel; 2. Shri Haribhai Raychandbhai Patel; 3. Shri Davabhai Nathabhai Patel; 4. Shri Motibhai Nathabhai Patel; 5. Shri Motibhai Paragbhai Patel; 6. Shri Virabhai Paragbhai Patel : Resi. Gadh, Tal. Palanpur, Dist. Banaskanta; 7. Smt. Puriben Shankerbhai Patel; Kunthashan, Tal. Palanpur; 8. Shri Devabhai Lakhubhai Patel; Salampura, Tal. Palanpur.

(Transferee)

(3) 1. Ganpatlal Shankerlal Trivedi; 2. Ganpatlal Shankerlal Trivedi; 3. Manager, Govt. Godown; 4. Haribhai Manibhai Patel; 5. Sukumar (Turner); 6. Haribhai Manibhai Patel; 7. Mangaldas Jivandas Joshi; 8. A. T. Bachhani.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A Bungalow with out houses etc. known as "Kamar Bag" standing on land admeasuring 28176 sq. ft. bearing City S. S. No. 51, City S. No. 10936 to 10947 and Muni. No. 1/1890, 1/1890/1, to 1/1890/6 situated on the Western side on the Rly. Stn. Palanpur and as fully described in the sale-deed registered vide registration No. 395 dated 28-2-1978 by the registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 12-9-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mahendrakumar Balvantrai Desai etc. Sagampura, Main Road, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Arunkumar Chimanlal Chieff Promotor of Sumangal Prabhat Coop. Housing Society Ltd. (Proposed) Salabatpura, Balabhai Street, Surat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th September 1978

Ref. No. P. R. No. 619 Acq. 23-1068/19-8/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 44/2, land admeasuring 12345 sq. yds. situated at village Majura Tal. Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in Feb., 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 44/2, admeasuring 12345 sq. yds. situated at village Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat and as fully described in the sale deed registered at No. 881 in the month of Feb., 1978 by registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 13-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Shivprasad Ambashanker Dave, C-12, Kalpataru Apartment, Nasanpura Ahmedabad-13,
(Transferor)

(2) Shri Bhagwanji Becharbhai Gada, & Others, Boharkot, Verawal, Dist. Junagadh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 14th September 1978

No. Acq. 23-I/1792(716)/16-6/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 601—Building known as "Somnath Krupa" situated
at Old Kumbharwada, Behind Old Power House, Veraval,
Dist. Junagadh
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Veraval in February 1978
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Land & Building known as "Sri Somnath Krupa", at old
Kumbharwada, behind old power house—bearing S. No. 601
duly registered with the Registering authority at Veraval,
Dist. Junagadh vide Sale-deed No. 294/1-2-1978 and as
fully described in the said sale-deed.

THE SCHEDULE

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 14-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Ambavijya Private Ltd. Sussex Lodge, Jamnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th September 1978

No. Acq. 23-I-1635(720)/10-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 1-G-4(Part) Lay out No. 4, Plot No. 2-B, 3&4 situated at Jampuri Estate, Bedi Bunder Road, Ward-No. 10, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on 23-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Ketan Apartment Co-Op. Housing Society Ltd., Opp : Shri Mahendra Bhagwanji Waria, Ratanbai Masjid, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 42000 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4(Part), Plan 4, Plot No. 2-B, 3 & 4, Ward-No. 10 situated at Jampuri Estate, Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 56 dated 23-2-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 20-9-78.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ambavijaya Private Ltd., Sussex Lodge, Jamnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th September 1978

No. Acq. 23-I-1635(721)/10-I/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1-G-4, Paiki Plan No. 7, lot Nos. 29 to 34 & 37 to 42 Bedi Bunder Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-2-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Ketan Apartment Co-Op. Housing Society Ltd., C/o Mahendra Bhagwanji Waria, Opp. Ratanbai Masjid, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

An open plot of land, admeasuring 50400 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4, Plan No. 7, Plot Nos. 29 to 34 and 37 to 42, situated near Pratap Vilas Palace, Jamnagar, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 558 dated 23-2-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—316GI/78

Dated : 20-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ambavijaya Private Ltd., Sussex Lodge, Jamnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-38009, the 20th September 1978

No. Acq. 23-I-1635(722)/10-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1-G-4, Plan No. 8, Plot Nos. 1 to 8 & 15 to 20 situated near Pratapvilas Palance, Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Aradhana Co-Op. H. Soc. Ltd., C/o Shri Mahendra Bhagwanji Waria, Opp: Ratanbai Masjid, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 51607 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4, Paiki Plan No. 3, Plot Nos. 1 to 8 and 15 to 20, situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 559 dated 23-2-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 20-9-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bhanumati H. Doshi, C/o Doshi General Stores, Sardarnagar, Main Road, Rajkot.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamalaguri Gaurishanker & Others, 22/28, Jagnath Plot, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-38009, the 23rd September 1978

No. Acq. 23-I-1793(723)/16-6/77-78.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Jagnath Sheri No. 22/28 situated at Jagnath Sheri No. 22/28, Jagnath Plot, Raj Kot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 16-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 183-3 sq. yds. bearing No. Jagnath Plot situated at Jagnath Sheri No. 22/28 Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 604 dated 16-2-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 29-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Ambavijaya Private Ltd., Sussex Lodge, Jamnagar.
(Transferor)

(2) Shri Vinodray Lalaji Joshi, Mr. Ranjitgar, Huda-kan, Jamnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th September 1978

No. Acq. 23-I-1794(726)/10-I/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the competent authority under Section 269D
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 1-G-4, Paiki Plan No. 2, Plot No. 31 situated
at Bedi Bunder Road, Jamnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at
Jamnagar on 23-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transfer to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 13758 sq. ft. bearing
S. No. @ S. No. 1-G-4, Plan No. 2, Paiki Plot No. 31, situated
at Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully described in
the sale-deed registered vide R. No. 556/23-2-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 30-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Amba Vijaya Private Ltd.,
Sussex Lodge,
Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th September 1978

No. Acq.23-1-1635(725)/10-1/78-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I-G-4, Paiki Plan No. 7, Plot Nos. 8-18-79,
situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Paras Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
Indu Bag, Hospital Road,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 12594 sq. ft. bearing Sur. No. 1-G-4 Paiki Plan No. 7, Plot Nos. 8-18 & 19 situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 580 dated 23-2-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 30-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Ambavijaya Private Ltd.,
Sussex Lodge,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Paras Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
Indu Bag, Hospital Road,
Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th September 1978

No. Acq.23-1-1635(725)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1-G-4, Paiki Plan 7, Plot No. 2 to 7 and 20 to 25 situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 50280 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4—paiki Plan No. 7, Plot No. 2 to 7 and 20 to 25, situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 557 dated 23-2-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :30-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 620Acq.23-1133/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 11, Nondh No. 527 situated at Vada Chauta, Opp. Jain Derasar Gali, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 28-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Dalsukhbhai Girdharlal Parkesh;
Kotyark Nagar, B. No. 30,
Opp. Navyug College, Rader Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Kalidas Doshi;
Vada Chauta, Opp. Jain Derasar Gali,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Vada Chauta, Opp. Jain Derasar Gali, Surat Ward No. 11, Nondh No. 527, admeasuring 63 sq. yds. as described in the sale deed vide registration No. 835 in the month of February, 1978 by the registering Officer Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd October, 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 621Acq.23-1134/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 2, S. No. 2956/b situated at agarampura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Feb., 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Hansaben Wd. of Vasantlal Rupchand Self and guardian of minors;
 - (i) Sandeep Vasantlal
 - (ii) Bindu Vasantlal
- 2. Nilkesh Vasantlal
- 3. Pinakin Vasantlal
- 4. Amit Vasantlal
Muglisara, Surat.
- 5. Manherlal Nanabhai Vakil, Navapura, Surat.
- 6. Jayantilal Chhaganlal Chawala, Haripura, Pir Chhodi, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Gulam Hasan Nurmohmed Jariwala; Navsari Bazar, Bhajiwala Pole, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Surat City Ward No. 2, Survey No. 2956/b situated at Sagarampura, Surat admeasuring 312 sq. yds. as described in the sale deed registered vide registration No. 1516 in the month of February, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd October, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arvind Jaysukhlal Mehta;
3-B, Takshashila Apartments,
56, Tagor Road, Shantakrur,
Bombay-54.

(Transferor)

(2) 1. Jyotindra Naranji Desai;
2. Dinkerbhai Naranji Naik;
3. Satischandra Naranji Desai;
All at Kayasth Mohollo, Gopipura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of thirty days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ahmedabad-380009, the 3rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 622Acq.23-1135/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 8, Nondh No. 1395-B
situated at Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 4-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Ward No. 8, Nondh No. 1395-B
situated at Gopipura, Surat admeasuring 152 sq. yds. as
described in the sale deed registered under registration No.
932 in the month of February, 1978 by the Registering Officer,
Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—316GI/78

Date : 3rd October, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahendrakumar Balvantrai Desai;
Burma Housewala;
Main Road, Sagarampura,
Surat.

(Transferor)

(2) Indra Apartment Coop Housing Society Ltd.
(Proposed).
Kantilal Mohanlal, Chief Pioneer,
Wadi Palia, Store Sheri,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 623Acq.23-1136/19-7/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 44/2 of village Majura, Dist. Surat
situated at Bhatar Road, Village Majura, Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Surat in February, 1978
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 44/2 of village Majura, Dist.
Surat situated at Bhatar Road, Surat admeasuring 13214
sq. yds., as described in the sale deed registered vide regis-
tration No. 882 in the month of February, 1978 by the
registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd October, 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi-110001, the 17th October 1978

Ref. No. IAC/Acq/Sr.III/394/March-91/78-79.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S-465 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ra. Pal Singh
s/o Shri Chanda Singh,
Smt. Kundan Kaur,
w/o Late Shri Chanda Singh,
Shri Tej Pal Singh (Minor) &
Shri Mani Pal Singh (Minor)
ss/o Smt. Kundan Kaur,
r/o 66-A/5, New Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Chawla,
s/o Shri B. R. Chawla
r/o 3-C/3, New Rohtak Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 21 storeyed incomplete building bearing No. 465, Block No. S" measuring 208 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : Service Lane
North : Plot No. S-463
South : Plot No. S-469A

J. C. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Kumar Gupta,
s/o Shri Padam Chand Gupta,
r/o 46, Babbar Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/300/Febr. 13/77-78.—
Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Sahooorpur, Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Sight & Sound,
6, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Bigha and 18 Biswas being Khasra No. 7(2-16), 8(4-16), 9(4-16), 10(4-16), 11(2-9) and 14(1-5) situated at Village Sahooorpur, Delhi State, Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Girdhari C/o.
Trading Engineers,
Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Tiwari
s/o Shri N. K. Tiwari,
r/o B.123, Naraina, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/348/March.19/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. G-106, situated at Kalkaji, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold plot bearing No. 106 in Block 'G' measuring
200 sq. yds. situated in Kalkaji, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 27th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/355/March.33/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S-217, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar
s/o Shri Ram Saran Dass
R/o. D-177, Kamla Nagar, Sabzi Mandi, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Yogendra Pal Aggarwal
s/o Shri Nanam Chand
r/o 3936, Gali Kaseru Wali,
Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 217 in Block 'S' situated in the residential territory known as Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300 sq. yds. is bounded as under:

East : Road
West : Service Lane
North : Plot No. S-215
South : House No. S-219.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 27-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 27th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/March-37/357/78-79.—
 Whereas, I, J. S. GILL,
 being the Competent Authority under section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 No. S-276, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
 (and more fully described in the Scheduled annexed
 hereto), has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at
 New Delhi on 10-3-1978
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value
 of the aforesaid property, and I have reasons to believe that
 the fair market value of the property as aforesaid exceeds
 the apparent consideration therefor by more than fifteen
 per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act to the following persons,
 namely :—

(1) Shri Harminder Singh
 s/o Late Shri Piara Singh,
 Joint Secretary,
 Ministry of Defence,
 (G) South Block, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh Bhatia
 s/o Shri Baldev Singh Bhatia
 r/o 116, Asia House, Kasturba Gandhi Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 276 block 'S' situated in
 Greater Kailash-II, New Delhi measuring 308 sq. yds. which
 is bounded as under :

North : Service Lane
 South : Road
 East : Plot No. S/278
 West : Plot No. S/274.

J. S. GILL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 27-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mahant Lachhman Dass
S/o Bawa Attam Parkash
C/o Shri Prem Sagar, Advocate,
12/11, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Nand Lal and Tarlochan Singh
S/o Shri Bahadur Chand
r/o II-C/26, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 27th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/345/March.13/1978.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. G-II/26, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A lease-hold property bearing No. G-II/26, situated at Lajpat Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hukam Chand
s/o Shri Karam Chand,
r/o G-138, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harjit Kaur
W/o Shri Upkar Singh,
Shri Amarjit Singh S/o Shri Upkar Singh
r/o C-453, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 29th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/392/March.89/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S-316, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
New Delhi on 29-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purpose
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

18—316GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot of land bearing No. 316 in
Block 'S' measuring 300 sq. yds. situated in the residential
colony known as Greater-Kailash-II, New Delhi-48 which is
bounded as under :

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S-312
South : Plot No. S-318

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 29th September 1978

Ref. No. JAC.Acq.I/SR.III/359/March 39/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. W-114, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 9-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Parkash Makel
s/o Shri Harbans Lal Makel
r/o 1707, Partap Street, Chuna Mandi,
Paharganj, New Delhi-55.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldip Kaur W/o Sh. Moti Singh &
Smt. Mehar Kaur
w/o Shri Hukam Singh
r/o C-2/25, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot bearing No. 114 in Block 'W' measuring 618 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48 which is bounded as under :

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. W-112.
South : Plot No. W-116.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 29-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Urvinder Singh Kohli
s/o Shri Narinder Singh Kohli
r/o 47, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Kapoor
s/o late Shri S. P. Kapoor
r/o L-16, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/351/March.26/78.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra Nos. 987, 988, 994, 995, 996 & 997 situated at Village Satbari Tehsil, Mehrauli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-3-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 Bighas 16 Biswas comprised in Khasra Nos. 987 (4.16), 988 (4.16), 989 (4.16), 994 (3.12), 995 (4.14), 996 (4.16) and 997 (3.6) situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, Delhi.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001,**

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. . . o. IAC.Acq.I/SR.III/352/March 27/78.—

Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra Nos. 984, 1035 and 1039 situated at Village Satbari, Tehsil Mehrauli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parvinder Singh Kohli
s/o Shri Narinder Singh Kohli
r/o 47, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Kapoor
s/o late Shri S. P. Kapoor
r/o I-16, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra Nos. 984 (4 bighas 1 biswa), Khasra No. 1032 (4 bighas 16 Biswas), Khasra No. 1035 (1 Bigha 16 Biswas) measuring 15 Bighas and 9 Biswas situated in village Satbari Tehsil Mehrauli, Delhi State.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sachindanand Prasad Singh
r/o Hatwa House, Patna-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Kapani
s/o Sh. P. N. Kapani
c/o Shri Y. P. Mehta,
25, Alipore Estates, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/336/March.79/3178.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

M.219 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
New Delhi on 23-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot bearing No. 219 in Block M
situated in Greater Kailash-II, New Delhi measuring 421
sq. yds.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/338/March.2/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-521 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranbir Singh
s/o late Shri Tara Singh
r/o 50, Ashoka Road, New Delhi-

(Transferor)

(2) Smt. Champa Devi
d/o Shri Mehar Chand
r/o E-415, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot bearing No. 521 in Block 'E' measuring 400 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi which is bounded as under :

East : Road
West : S. Lane
North : House No. E-523
South : House No. E-519J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/396/March 94/78.—

Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

M-75, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 21-3-1978

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reasons to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

(1) Shri Joginder Singh
s/o Shri Hans Raj Khanuja
spl. attorney of his real brother
Shri Subhash Kumar
s/o Shri Hans Raj Khanuja
r/o Bada Bazar, Hatta, Distt. Damoh and
Smt. Ishwar Devi
Wd/o Shri Hans Raj Khanuja
r/o Bada Bazar Hatta Distt. Damoh.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Gauba
s/o Shri R. C. Gauba and
Smt. Sneha Prabha Gauba
w/o Shri V. K. Gauba
r/o E-416, Greater Kailash-II,
New Delhi-110048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 75 in Block 'M'
measuring 250 sq. yds. situated in residential colony known
as Greater Kailash-II, New Delhi which is bounded as under :

North : Plot No. M-73.
South : Plot No. M-77.
East : Road
West : S. Lane.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 28-9-1978
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/341/March.8/78.—

Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. S-23 situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 1st March, 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Shiv Shankar Gupta
s/o Lala Sant Lal &
Kunj Bheari Lal
s/o Lala Ram Chander
r/o Maheshwari Fancy Store,
4135, Nai Sarak, Delhi..

(Transferor)

(2) Shri K. L. Jolly
s/o Shri Ram Lal,
r/o C-2/39, Safdarjang Development Area,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 23 in block 'S' situated in
Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300 sq. yds. which
is bounded as under :
East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S-21
South : Plot No. S-25.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Nand Lal Kumar
s/o Shri Hukam Chand
c/o M/s. Asha Trading Corp.
Dau Bazar, Cloth Market, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Aggarwal
w/o Shri Sudarshan Aggarwal
r/o H-16, Green Park Ext., New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 28th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/342/March.9/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,

IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-239 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot bearing No. 239 in Block 'M' measuring 400 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi which is bounded as under :

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. M-237
South : Plot No. M-241

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sudarshan Kumar Gambir
s/o late Shri Gulabram
r/o F-72, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Dass Sikka
s/o late Shri Mutwal Chand Sikka and
S/Shri Banarsi Dass Sikka and
Vinod Kumar Sikka
both ss/o Shri Lakshmi Dass Sikka,
all r/o 2199, Kucha Dakhni Rai,
Daryaganj, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 29th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/364/March.46/78.—
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-312 situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 312, lock 'S' situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48 measuring 300 sq. yds. is bounded as under :

East : S. Lane

West : Road

North : Plot No. S-310.

South : Plot No. S.316.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bodh Raj
r/o WEA Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand Sharma,
r/o C-101-A, Kalkaji,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001,

New Delhi, the 29th September 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/March.36/356/78.—

Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

C-101-A situated at Kalkaji, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 19 ,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold plot bearing No. C-101-A, situated in Kalkaji,
New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date : 29-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 6th October 1978

Ref. No. 396/GRH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Garh Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lal Singh s/o Shri Mangal Singh, R/o Nurpur Bedi, Bus Stand, Lali Niwas, Garh Shanker. (Transferor)

(2) Smt. Blawant Kaur d/o Sh. Wattan Singh s/o Shri Munshi Ram V. & P.O. Benewal, Teh. Garh Shanker. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(2) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house situated near Lali Niwas at Garh Shanker as mentioned in sale deed No 3246 of February, 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-10-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—